गेल (इंडिया) लिमिटेड
निवेशक और विश्लेषक सम्मेलन 2020
नई दिल्ली, 25 जून, 2020

सुरक्षा कवच विवरण

यह प्रस्तुतीकरण गेल (इंडिया) लिमिटेड (कंपनी अथवा गेल) द्वारा केवल कंपनी से संबंधित सूचना दिए जाने के लिए तैयार किया गया है।

इस प्रस्तुतीकरण में निहित सूचनाएं केवल वर्तमान तिथि के अनुसार हैं। इस प्रस्तुतीकरण में दिए गए कुछ विवरण पूर्व सूचनाओं अथवा तथ्यों पर आधारित नहीं हो सकती हैं और वे "प्रगतिशील विववरण" हो सकते हैं जिसमें कंपनी की सामान्य व्यवसायिक योजनाएं और रणनीति, इसकी भावी वित्तीय स्थिति और प्रगति की संभावनाएं तथा उद्योग जगत में इसका भावी विकास और प्रतियोगी एवं सांविधिक वातावरण शामिल हैं। वास्तविक परिणाम इन प्रगतिशील विवरणों से भिन्न हो सकते हैं जिनके कारकों में कंपनी के व्यवसाय के आगामी परिवर्तन या विकास, प्रतियोगी वातावरण, प्रौद्योगकीय सूचना तथा भारत की राजनैतिक, आर्थिक, कानूनी और सामाजिक परिस्थितियां शामिल हैं।

यह सम्प्रेषण केवल सामान्य जानकारी के प्रयोजन हेतु है जिसका किन्हीं विशेष उद्देश्यों, वित्तीय स्थितियों और किसी विशेष व्यक्ति की आवश्यकताओं से संबंध नहीं है। कंपनी, यहां इसमें दी गई सूचना के उपयोग से संबंधित किसी उत्तरदायित्व, वह चाहे जो भी हो, प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से स्वीकार नहीं करती है।

कंपनी इस प्रस्तुतीकरण के तथ्यों में कोई बदलाव, संशोधन अथवा अन्यथा किसी भी प्रकार का परिवर्तन कर सकती है और वह ऐसे किसी संशोधन या बदलाव के बारे में किसी व्यक्ति को अधिसूचित करने के लिए बाध्य नहीं है ।

हमारे बारे में

मिशन

“स्वच्छ ऊर्जा और इतर के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाना”

विज़न

प्राकृतिक गैस तथा इतर क्षेत्रों में विश्वजनीन उपस्थिति के साथ ग्राहक-सेवा, सभी स्टेकहोल्डरों के लिए मूल्य सृजन और पर्यावरण के लिए अपने दायित्व के प्रति समर्पित एक अग्रणी कंपनी बनना

Agenda

1. कंपनी विवरण
2. कार्य-निष्पादन उपलब्धियाँ
3. औद्योगिक परिदृश्य एवं रणनीति
4. प्रश्न और उत्तर

कंपनी विवरण

मुख्य व्यापार पोर्टफोलियो

गैस ट्रांसमिशन एवं विपणन

- **12400** किमी. से अधिक का नेटवर्क
- **~14 एमएमटीपीए** का दीर्घकालिक पोर्टफोलियो

पेट्रोकेमिकल

- घरेलू मार्केटिंग हिस्सेदारी **~ 17.5%**
- पाता में **810 केटीए** और बीसीपीएल में **280 केटीए** की क्षमता

लिक्विड हाइड्रोकार्बन

- **पाँच एलएचसी** प्रोसेसिंग संयंत्र
- **1,425** केटीए की क्षमता
- 2000 कि.मी. से अधिक के पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से **3.8 एमएमटीपीए** की एलपीजी परिवहन क्षमता

ईएंडपी

- 12 ब्लाकों में सहभागिता
- यूएस और म्यांमार में उपस्थिति

नवीकरणीय

- **118 मेगावाट** पवन ऊर्जा क्षमता
- **12.3 मेगावाट** सौर ऊर्जा क्षमता

वैश्विक उपस्थिति

यूएसए
जीजीयूआई (ईगल फोर्ड बेसिन)
जीजीयूएलएल (डॉमिनियन कोव)
गेल-सबाइन पास
इजिप्ट
2 रिटेल गैस कंपनियों में ईक्विटी
चीन
चाइना गैस
म्यांमार
म्यांमार-चाइना गैस पाइपलाइन
ए1, ए3 ईएंड ब्लॉक
सिंगापुर
गेल ग्लोबल (सिंगापुर) पीटीई लिमिटेड

सतत विकास

- गेल ने वि.व. 19-20 में ग्रीन कं. रेटिंग को अपनाने की यात्रा प्रारंभ की है । यह रेटिंग उत्पादों, सेवाओं और प्रचालन को ग्रीनर बनाने में मदद करती है।
- गेल ने जीआरआई सस्टेनेबिलिटी रिपोर्टिंग मानकों के आधार पर बाह्य रूप से आश्वस्त 10 वार्षिक सतत् रिपोर्ट का प्रकाशन किया है
- गेल का कुल नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो लगभग 128 मेगावाट है
- सभी स्थानों पर गेल की 40% से अधिक लैंड होल्डिंग्स को ग्रीन बेल्ट और जल निकायों द्वारा कवर किया गया है
- गेल को लगातार तीसरे वर्ष "एफटीएसई4 गुड इमर्जिंग इंडेक्स" में शामिल किया गया है
- गेल ने अन्य के मध्य यूएन सस्टेनेबल डिवेलपमेंट गोल्स (एसडीजी), भारत की नेशनली डिटरमाइंड कमिटमेंट्स (एनडीसी) जैसे नए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विकास को देखते हुए अपनी सततता नीति को संशोधित किया।

FTSE Russell

CERTIFICATE OF MEMBERSHIP

This is to certify that

Gail India

is a constituent company in the FTSE4Good Index Series

FTSE4Good

June 2019

The FTSE4Good Index Series is designed to identify companies that demonstrate strong environmental, social and governance practices measured against globally recognised standards.

शेयरधारण संरचना

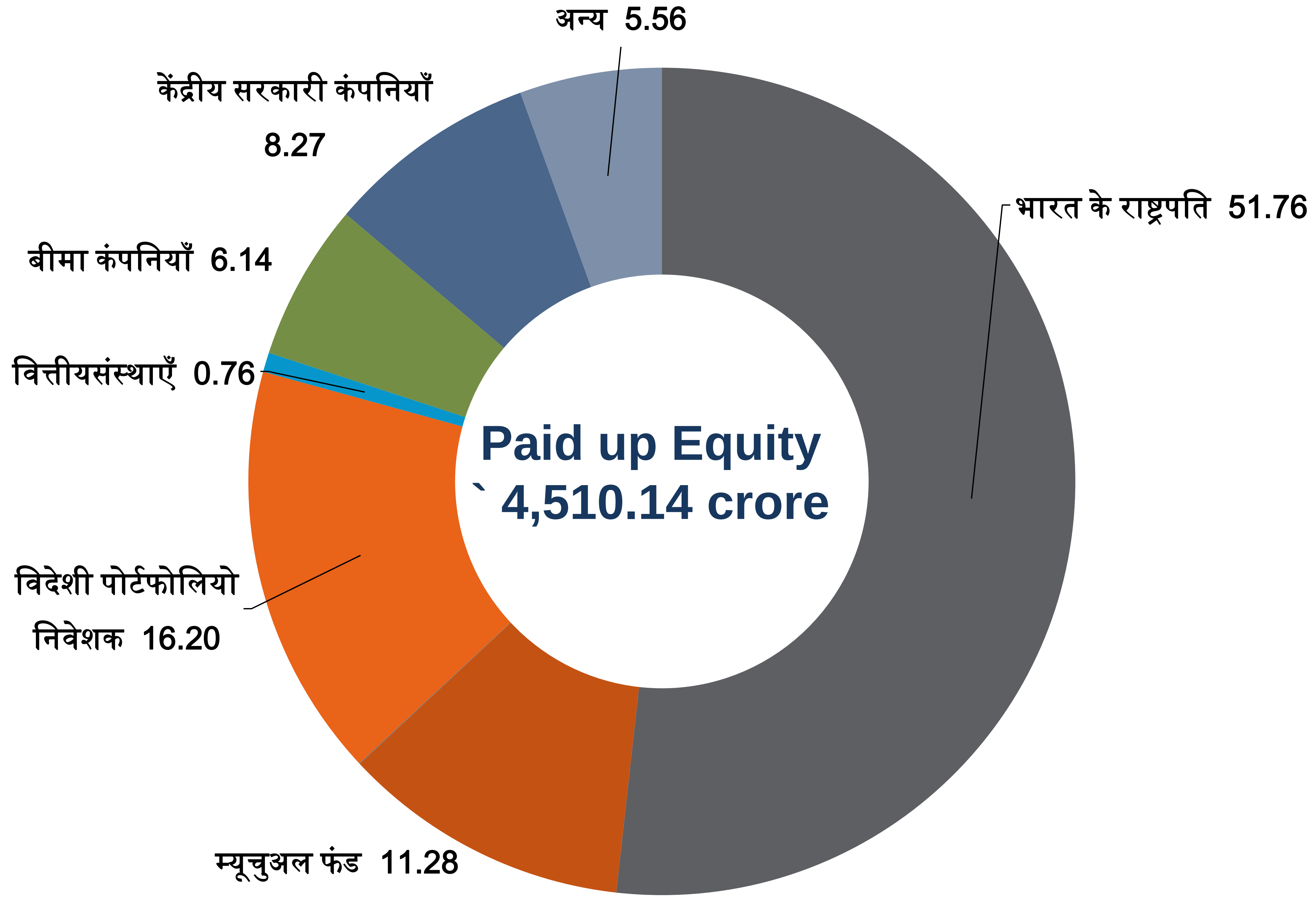

31 मार्च'20 को बाज़ार पूंजीकरण : रु.34,525 करोड़

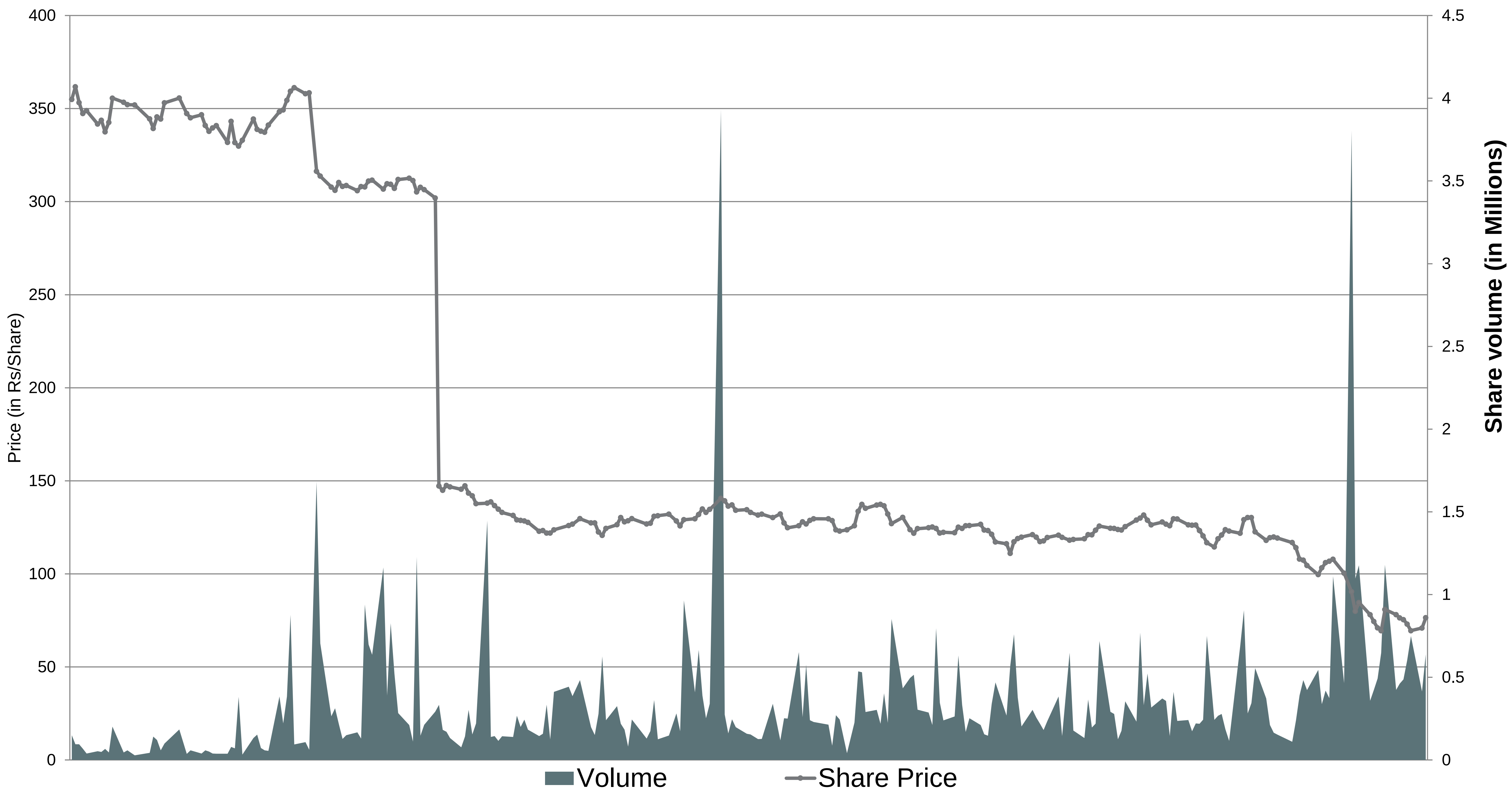

वर्ष	वित्त15	वित्त16	वित्त17	वित्त18	वित्त19	वित्त20
घोषित लाभांश (`/शेयर)	6.00	5.50	9.08	7.18	8.02	6.40

- गेल ने वर्ष के दौरान 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी किए
- भारत 22 ईटीएफ के माध्यम से किए गए विनिवेश के कारण 31 मार्च 2020 के अनुसार भारत के राष्ट्रपति की शेयरहोल्डिंग 52.19% से घटकर 52.19% हो गई है

स्रोत: बीएसई वेबसाइट: नोट- सभी आंकड़े बीएसई वेबसाइट के 31 मार्च, 2020 की स्थिति के अनुसार हैं; संबंधित वर्ष के लिए प्रति शेयर लाभांश की गणना अंतिम प्रदत्त पूंजी के अनुसार की जाती है।

निगमित सामाजिक दायित्व

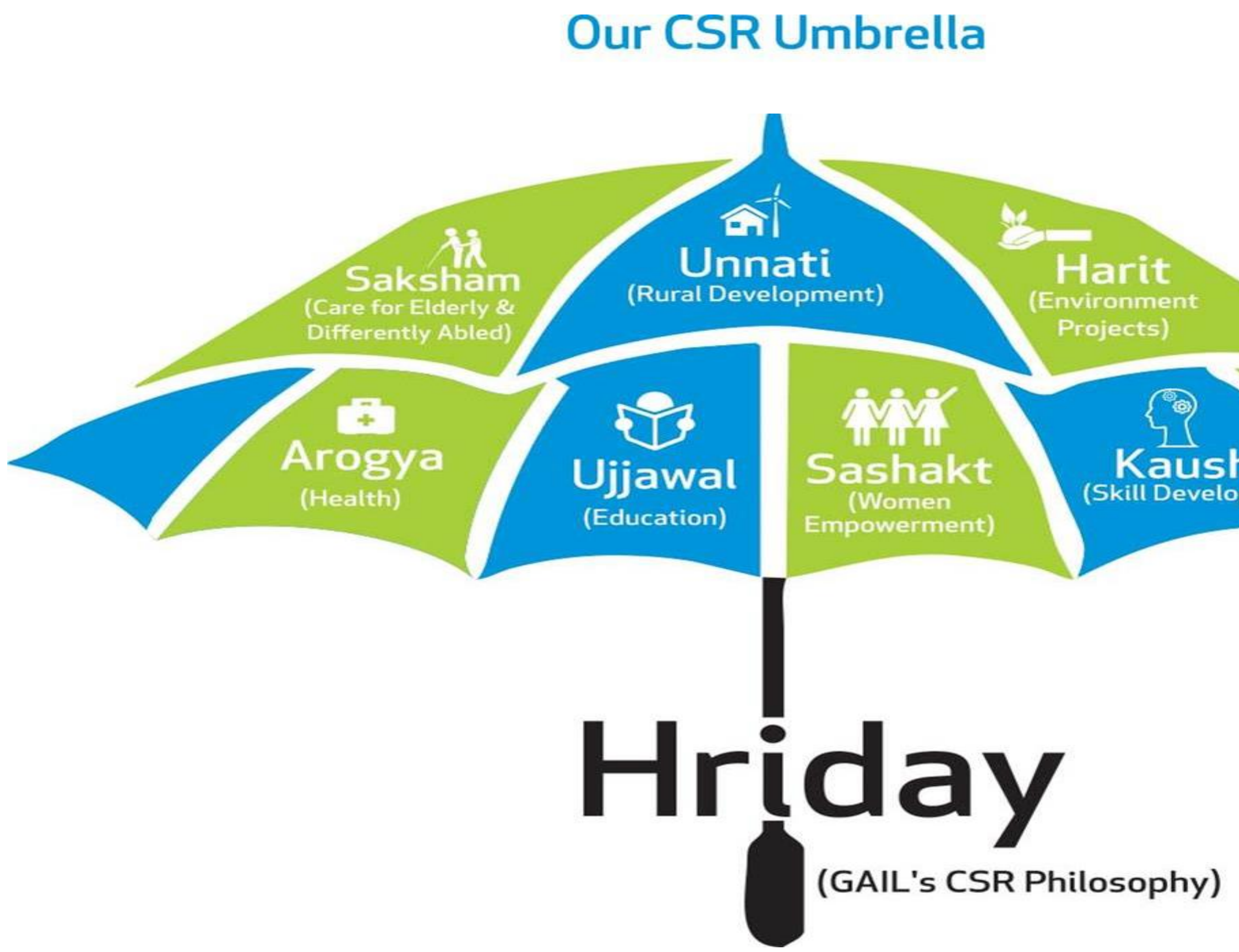

गेल सीएसआर प्रयास गेल हृदय पहल के अंतर्गत सन्निहित हैं।

गेल ने अनिवार्य 2% (रु.124.79 करोड़) के समक्ष रु.125.30 करोड़ (2.01%) का खर्च हासिल किया है।

मुख्य विशेषताएँ

1. <u>गेल उज्जवल (शिक्षा केंद्रित पहल):</u>

- आईआईटी / एनआईटी और अन्य इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए **200 मेधावी और सीमांत छात्रों** को **गेल उत्कर्ष केंद्रों** पर आवासीय कोचिंग प्राप्त हुई।

2. <u>गेल कौशल *(कौशल पहल):*</u>

- **नगरम (राजमंड्री) और गुना (म.प्र.) के गेल कौशल संस्थान में** हाइड्रो कार्बन क्षेत्र से संबंधित कौशल ट्रेड्स में **432** उम्मीदवार प्रशिक्षित
- सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ प्लास्टिक इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीआईपीईटी) के 07 केंद्रों से **प्लास्टिक उत्पाद विनिर्माण में 221 उम्मीदवार प्रशिक्षित।**
- रायबरेली, भुवनेश्वर, कोच्चि, विशाखापट्टनम, अहमदाबाद और गुवाहाटी में **06 कौशल विकास संस्थानों** (SDIs) **में योगदान पर एमओपीएंडएनजी और पीएसई के साथ सहयोगी परियोजना के लिए सहायता प्रदान की।**

3. <u>गेल आरोग्य *(स्वास्थ्य और स्वच्छता पहल):*</u>

- **भारत के 15 राज्यों के 51 जिलों में 67 मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) प्रचालित हैं।**
- **टीबी उन्मूलन कार्यक्रम:** उत्तर प्रदेश में औरैया और फिरोजाबाद जिलों के आसपास के गांवों और असम में बारपेटा और दरारंग जिलों के आसपास के गांवों में टीबी उन्मूलन हेतु सहायता प्रदान की गई।
- असम, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं झारखण्ड के सरकारी स्कूलों में **203 शौचालयों के निर्माण में सहायता** प्रदान की गई।
- उत्तर प्रदेश, असम, तेलंगाना और बिहार के भीतर **1400 हैंडपंप और 75 आरओ प्लांटों की स्थापना में सहायता** प्रदान की गई।

4. <u>गेल उन्नति *(ग्रामीण विकास पहल):*</u>

- **गेल नीर-निधि:** गुना (म.प्र.) जिले के 17 गांवों में वाटरशेड प्रबंधन और आजीविका संवर्धन गतिविधियों के लिए सहायता प्रदान की जा रही है।
- **गुना (मध्य प्रदेश) में 03 लाइव स्टॉक सेंटर (आईएलडीसी)** के विकास हेतु सहायता।

कार्य-निष्पादन उपलब्धियाँ

वित्त वर्ष 2019-20 की प्रमुख उपलब्धियाँ

1. गेल का वि.व.2019-20 पंजीकृत कारोबार **रु.71,730** तथा निवल लाभ **रु.6,621 करोड़**

2. गेल ने नई निगम आय कर दर 25.17% का विकल्प चुना

3. गेल की 69.06% हिस्सेदारी के साथ केएलएल गेल की अनुषंगी कंपनी बन गई

4. "विवाद से विश्वास योजना" के अंतर्गत 21 वर्षों से जुड़े 44 आयकर मामलों का निपटान, जिसके परिणामस्वरूप रु.1900 करोड़ की आकस्मिक देयता में कमी आई है और कर व्यय में रु.918 करोड़ से वृद्धि हुई है

5. वि.व.20 में रु.1,552 करोड़ का पूंजी अनुदान प्राप्त किया (रु.5,176 करोड़ में से रु.3,609 करोड़ संचयी)

6. लगातार 10 वें वर्ष वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए सी एंड एजी से शून्य टिप्पणियाँ प्राप्त हुई ।

वित्त वर्ष 2019-20 की प्रमुख उपलब्धियाँ

7

केकेएमबीपीएल-II के भाग जेएचबीडीपीएल की गोरखपुर-पटना स्परलाइन पंजीकृत की गई। वि.व. 2019-20 के लिए कैपेक्स ~ रु.6,100 करोड़।

8

जेएचबीडीपीएल पाइपलाइन के अंतर्गत गेल को सौंपी गई सभी छः सीजीडी अब प्रचालन में हैं।

9

वर्ष के दौरान अल्पकालिक ऋण सहित रु.4,350 करोड़ का ऋण लिया गया (शेष ऋण रु.5,257 करोड़)

10

इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) से गेल, पाता को लागत प्रबंधन-2018 में उत्कृष्टता के लिए 16वां राष्ट्रीय पुरस्कार मिला

11

डिजिटलीकरण पहलें :

- कार्मिक दावों (चिकित्सा एवं यात्रा) का डिजिटलीकरण
- ई-मापन पोर्टल (अंजनी)
- पूंजीकरण और कार्मिक परिसंपत्तियों की पुनर्खरीद में स्वचालन
- रिमोट डीडी प्रिंटिंग

12

क्रेडिट रेटिंग - घरेलू 'एएए ',

अंतरराष्ट्रीय-मूडीज़: बीएए3', नेगेटिव आउटलुक

फिच: "बीबीबी-" नेगेटिव आउटलुक

भौतिक कार्य-निष्पादन

गैस मात्रा प्रवृत्ति

(एमएमएससीएमडी))

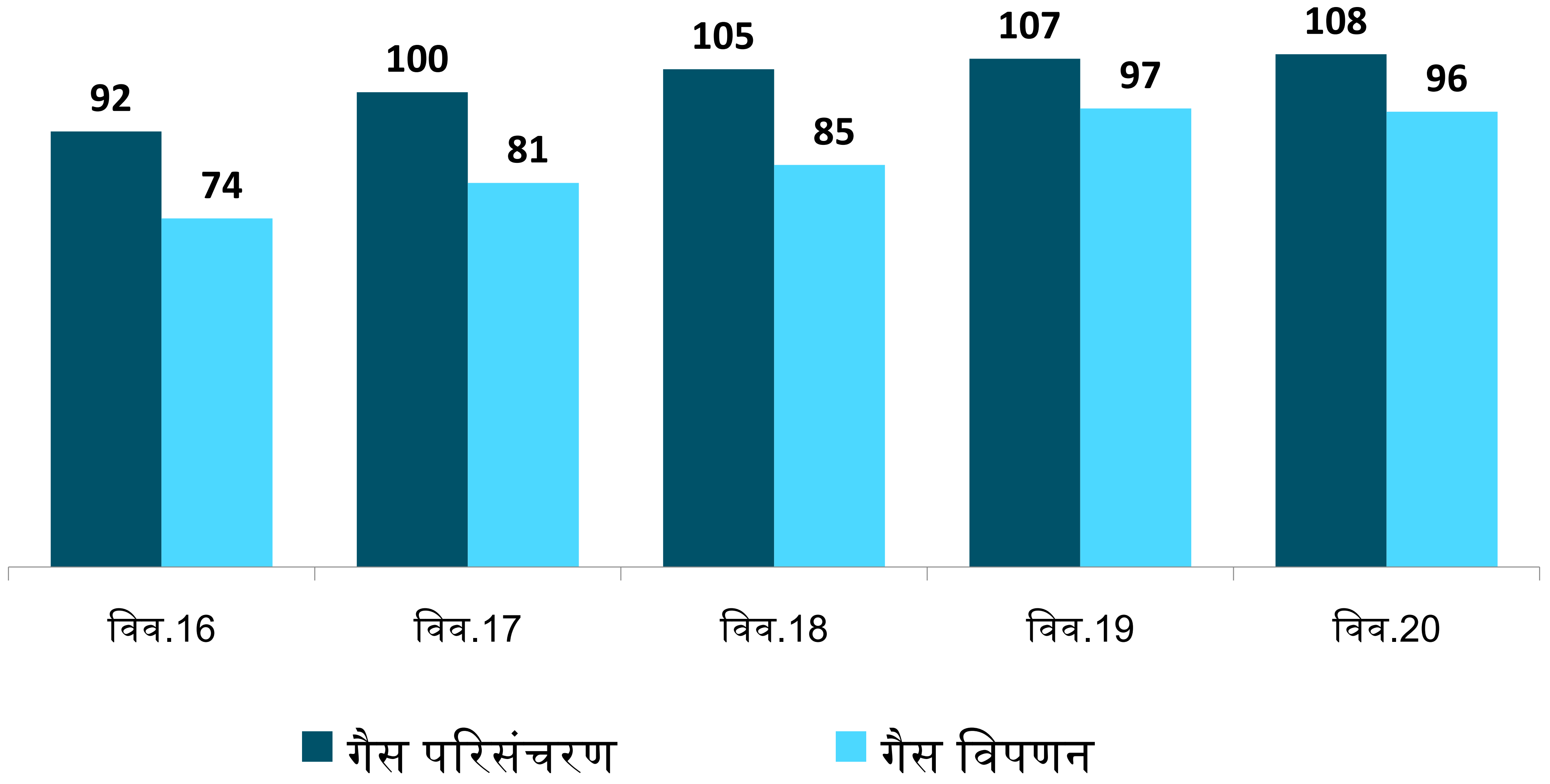

गैस विपणन मिक्स

गैस परिसंचरण मिक्स

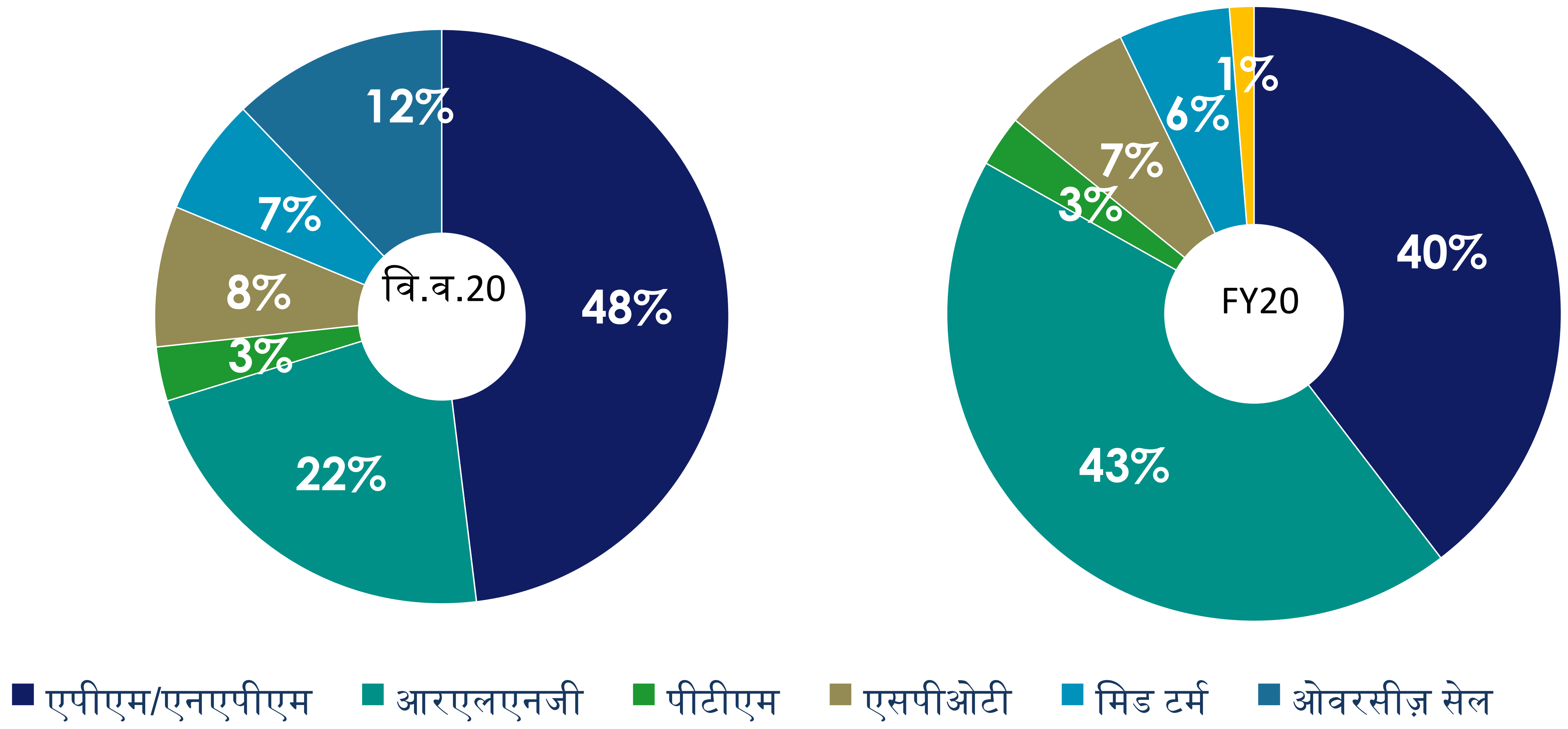

पेट्रोकेमिकल बिक्री

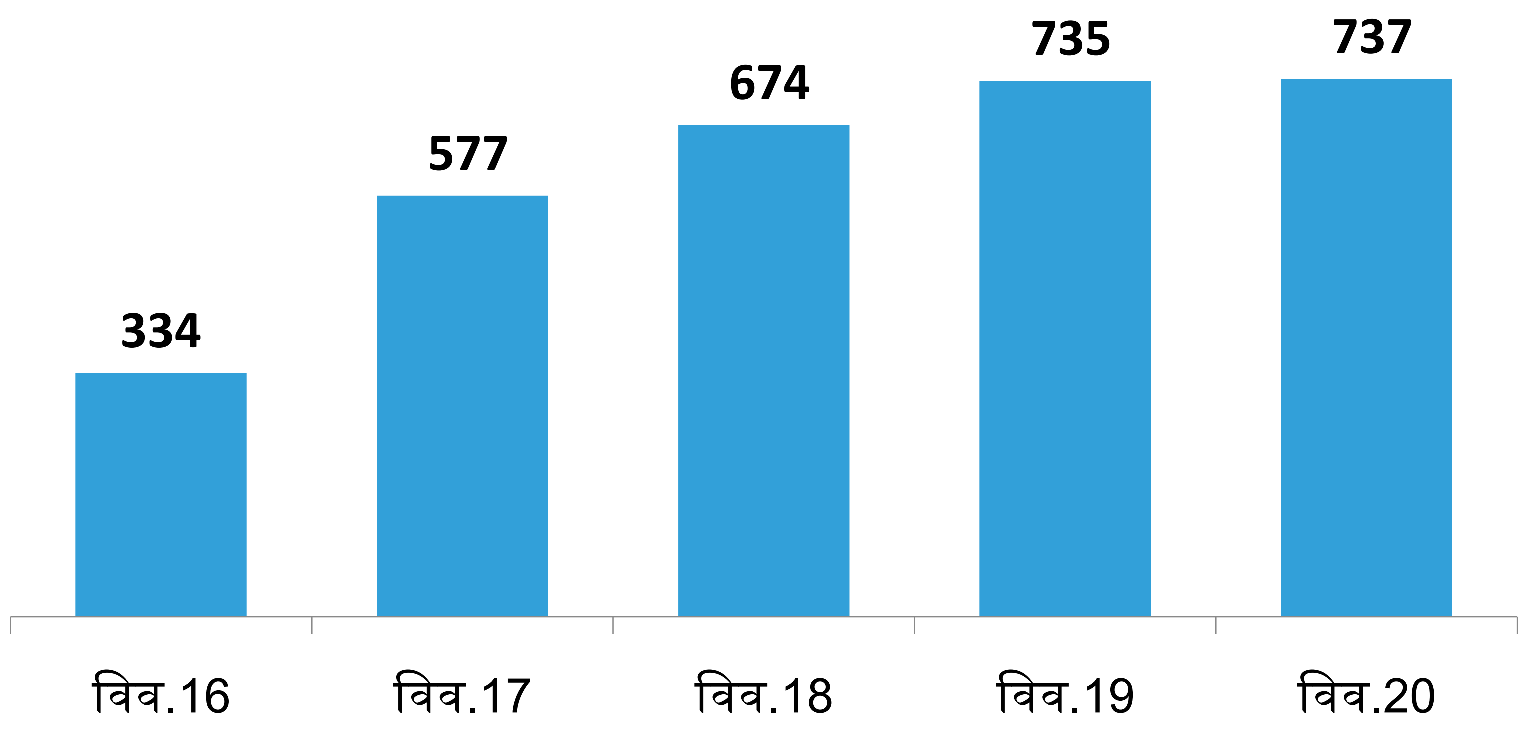

तरल हाइड्रोकार्बन बिक्री

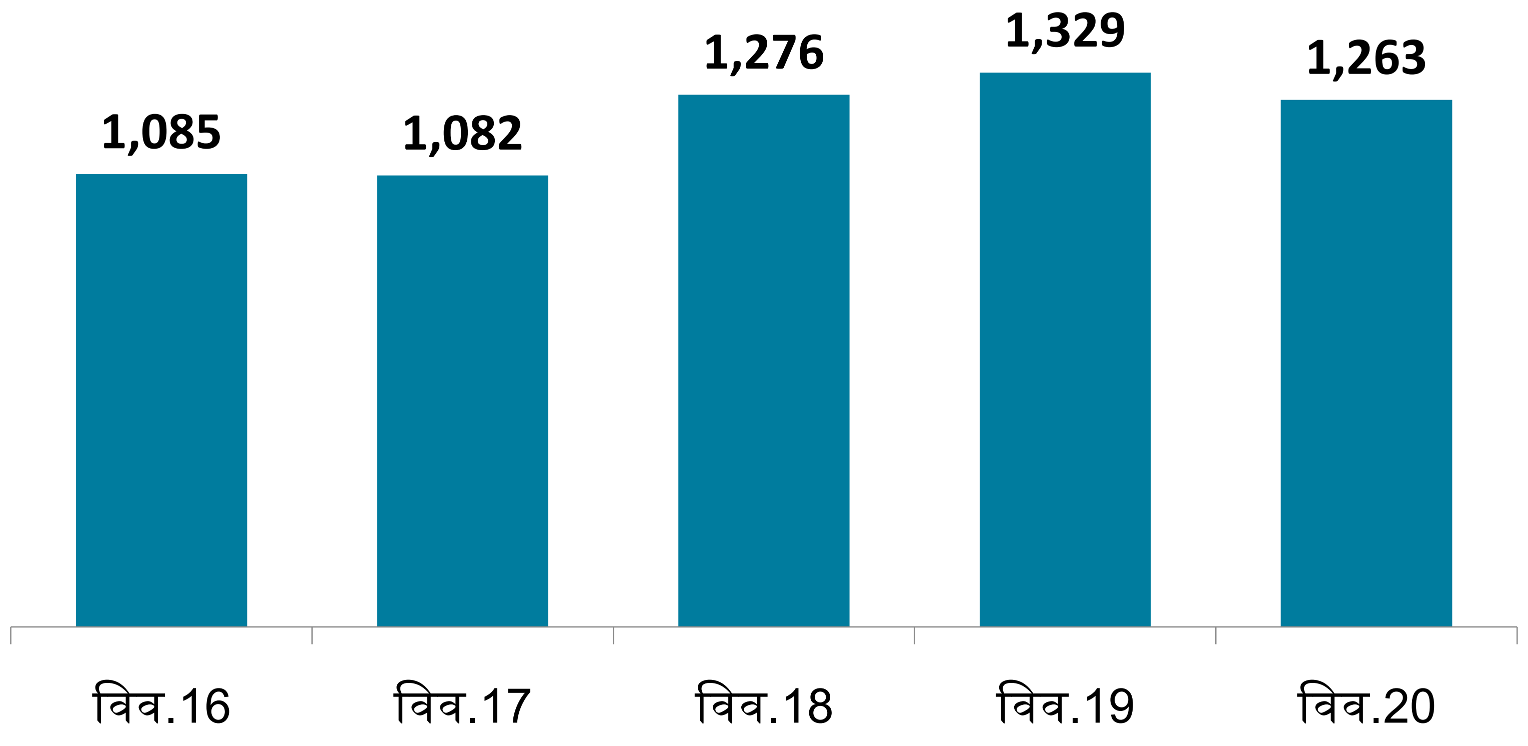

एलपीजी परिसंचरण

(टीएमटी)

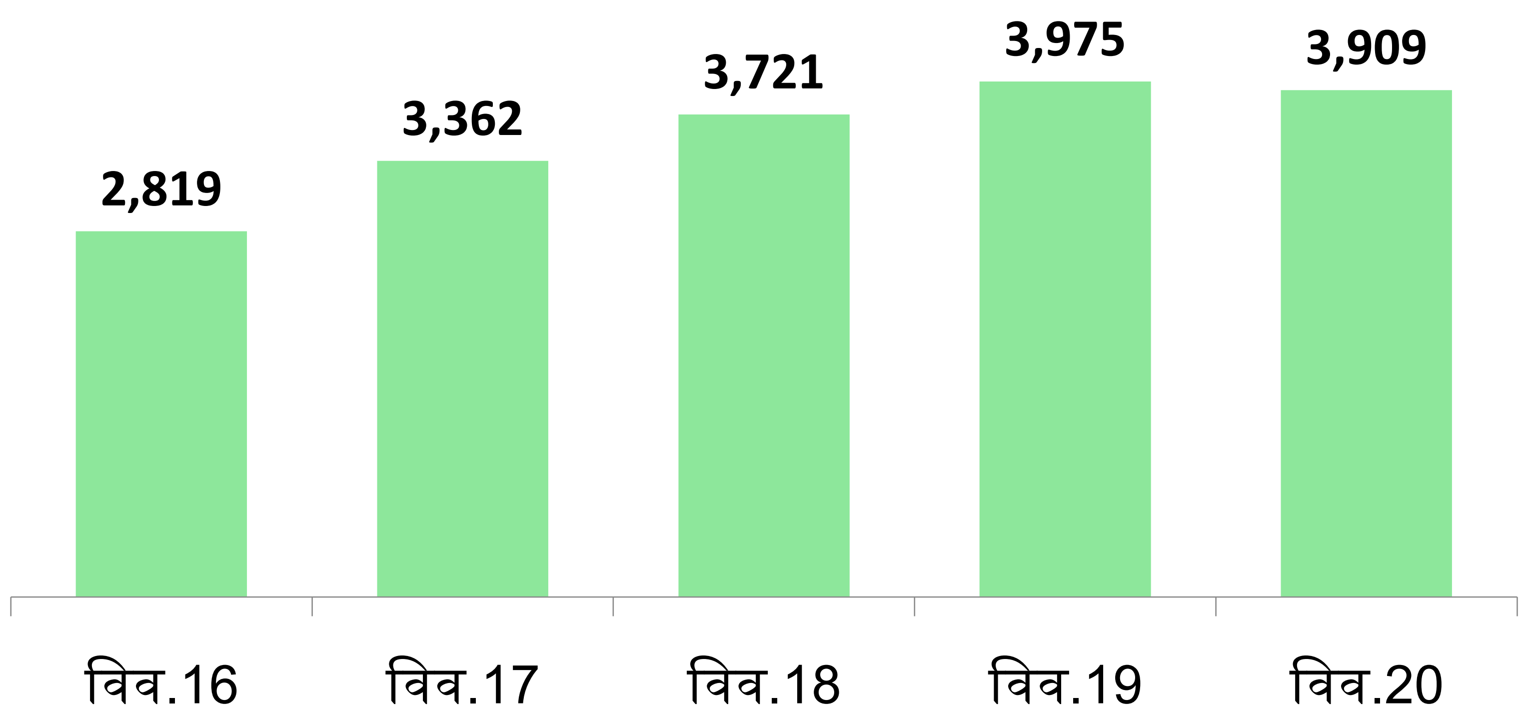

गैस सोर्सिंग एवं क्षेत्रवार आपूर्ति

(एमएमएससीएमडी, % अंश)

विव 2018-19

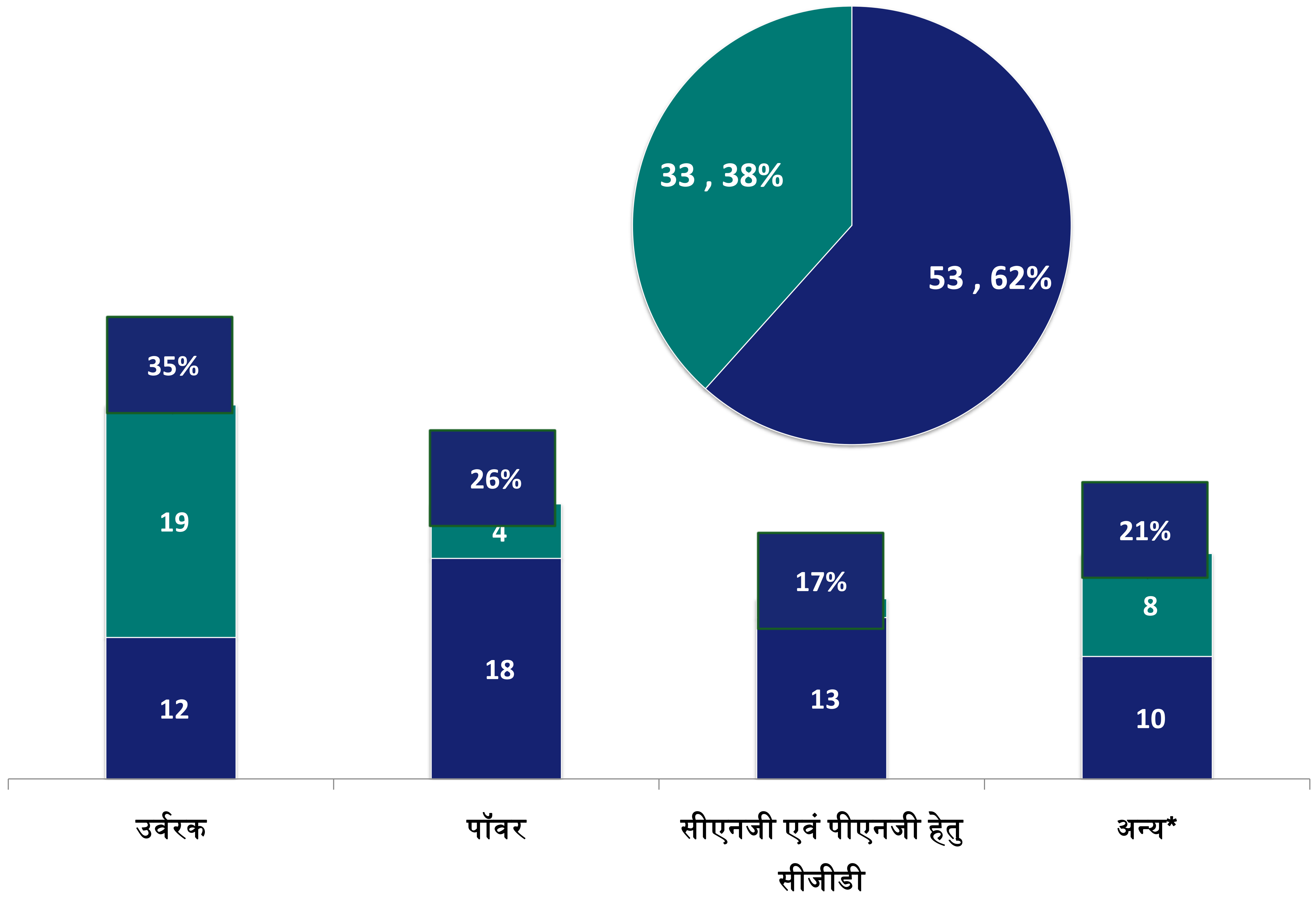

विव 2019-20

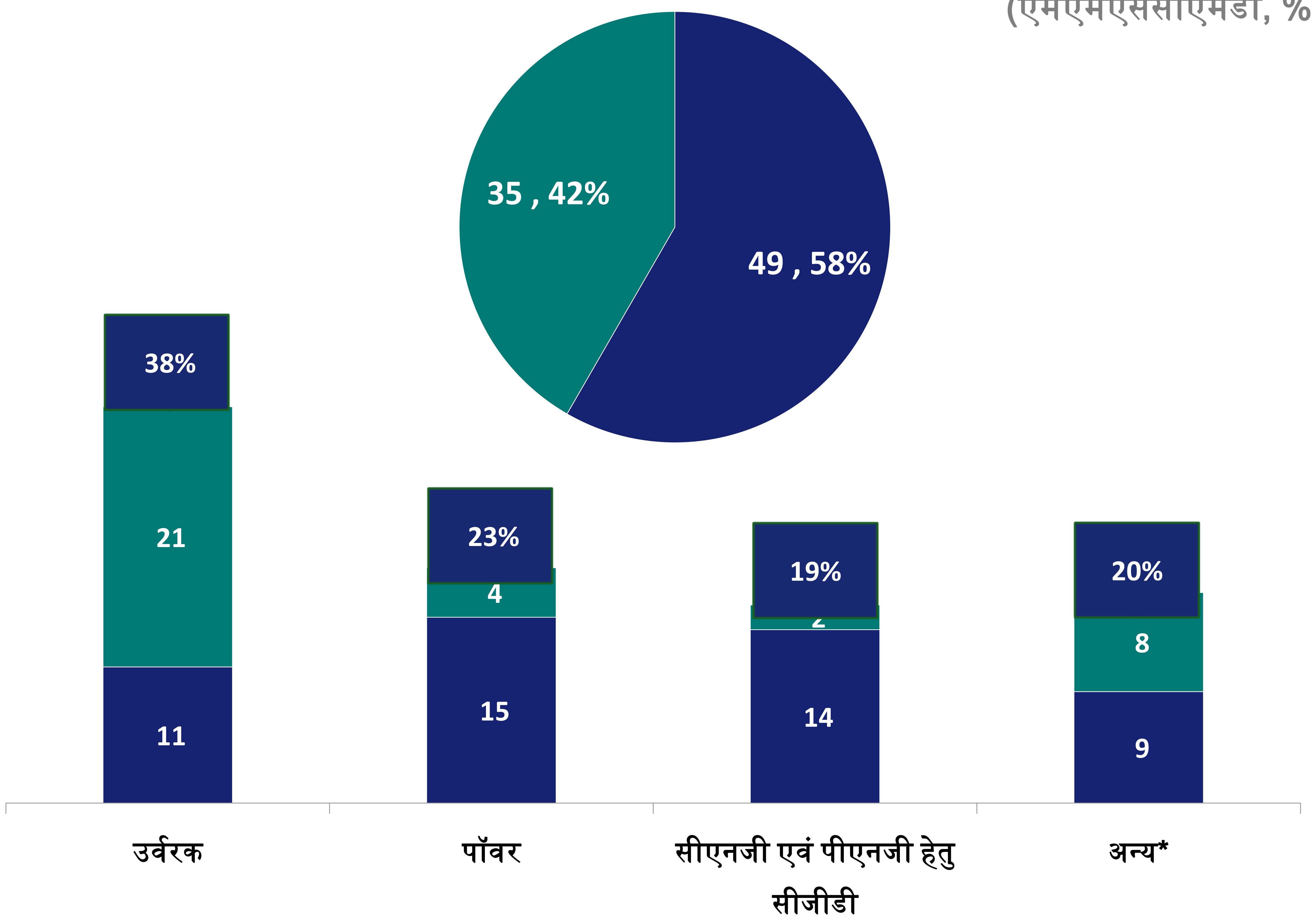

घरेलू | आरएलएनजी | % अंश

- आयातित गैस में मुख्यत: शामिल है दीर्घकालिक आरएलएनजी, मध्य कालिक आरएलएनजी एवं स्पॉट
- घरेलू गैस के मुख्य स्रोत हैं ओएनजीसी (एपीएम एवं गैर एपीएम), रव्वा, रव्वासैटेलाइट आदि
- पॉवर एवं उर्वरक क्षेत्रों की कंपनियों से प्राकृतिक गैस की अधिकतम मांग है
- उपर्युक्त संख्या अंतरर्राष्ट्रीय बाजारों में बेची गई गैस की मात्रा के अलावा है वि.व.19 हेतु ~10.5 एमएमएससीएमडी तथा वि.व.20 हेतु ~11.7 एमएमएससीएमडी

* अन्य में शामिल है इस्पात, रिफाइनरीज, स्पोंज आयरन, पेट्रोकेमिकल, गेल आंतरिक खपत आदि

वित्तीय कार्य-निष्पादन (एकल)

(करोड़ रु. में)

कारोबार (सकल)

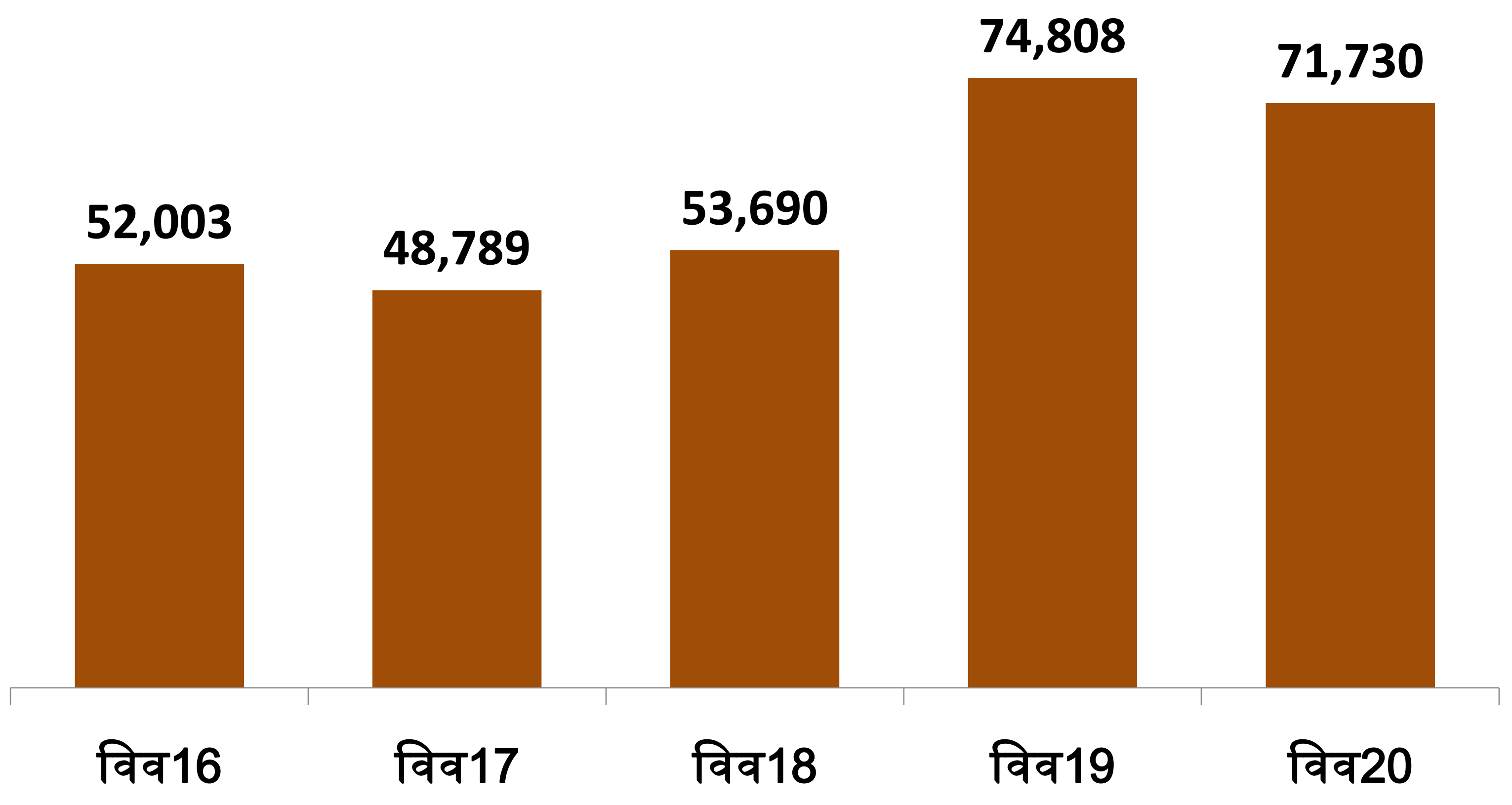

सकल मार्जिन (पीबीडीआईटी)

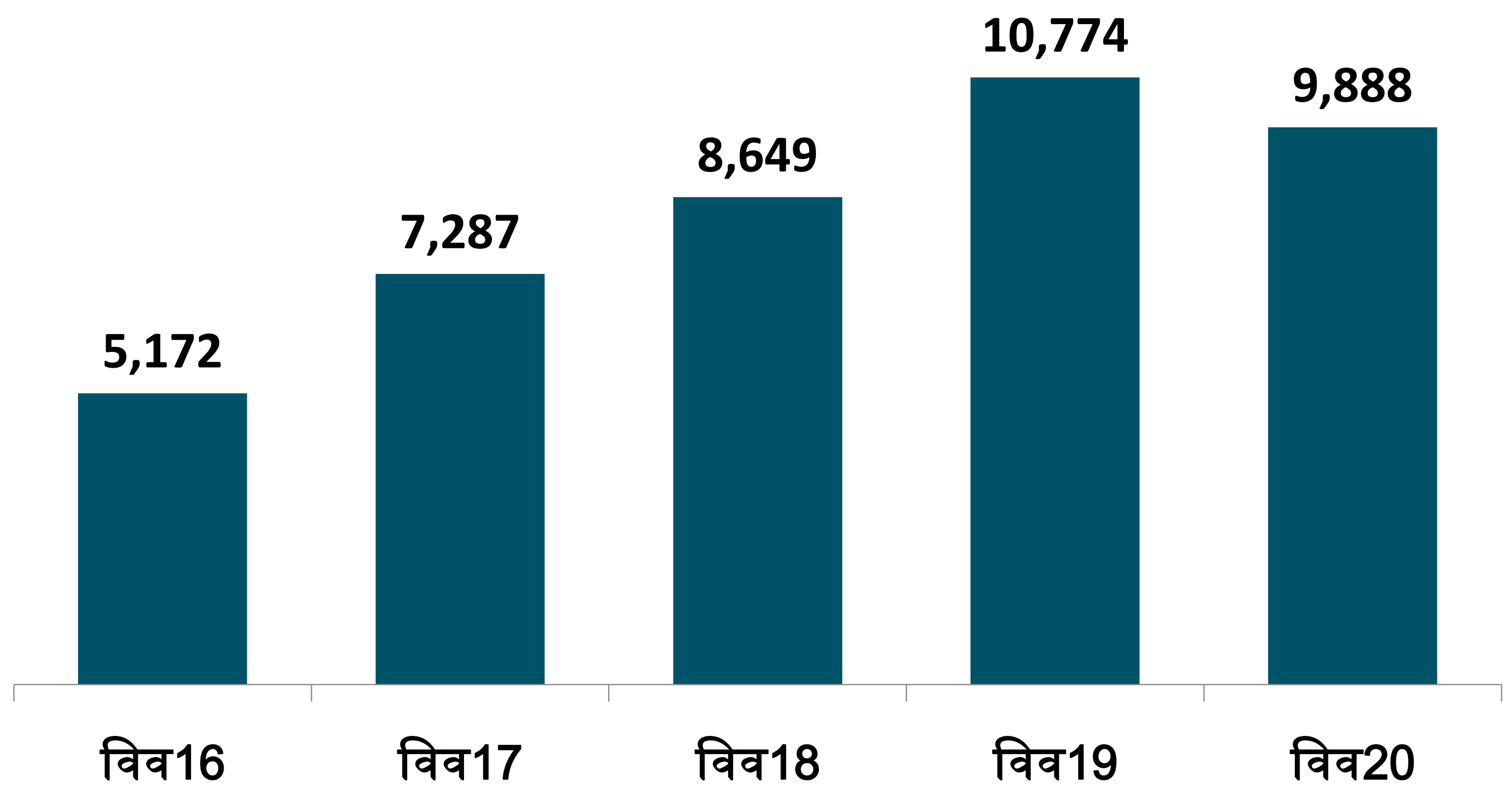

कर पूर्व लाभ (पीबीटी)

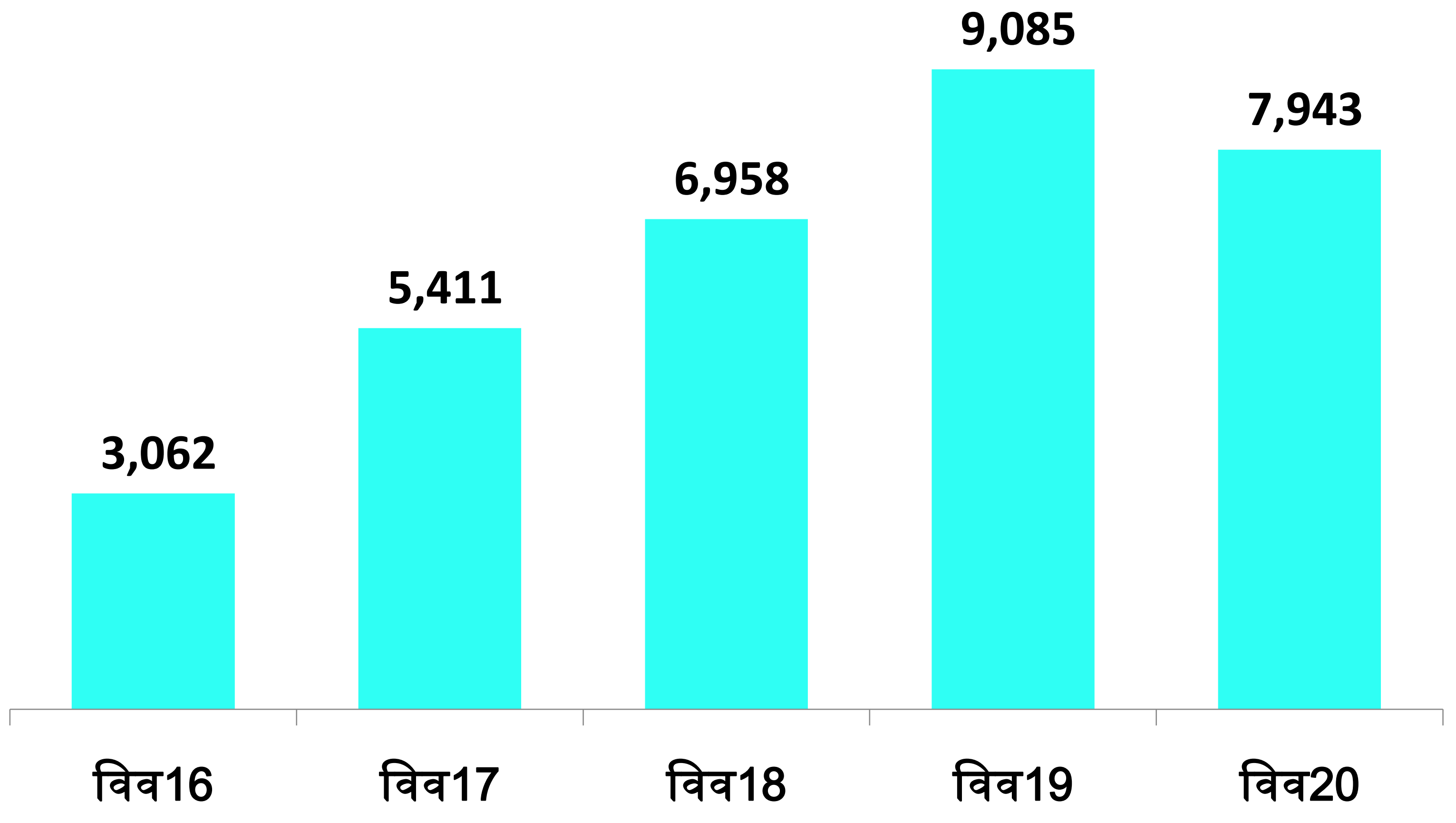

कर पश्चात् लाभ (पीएटी)

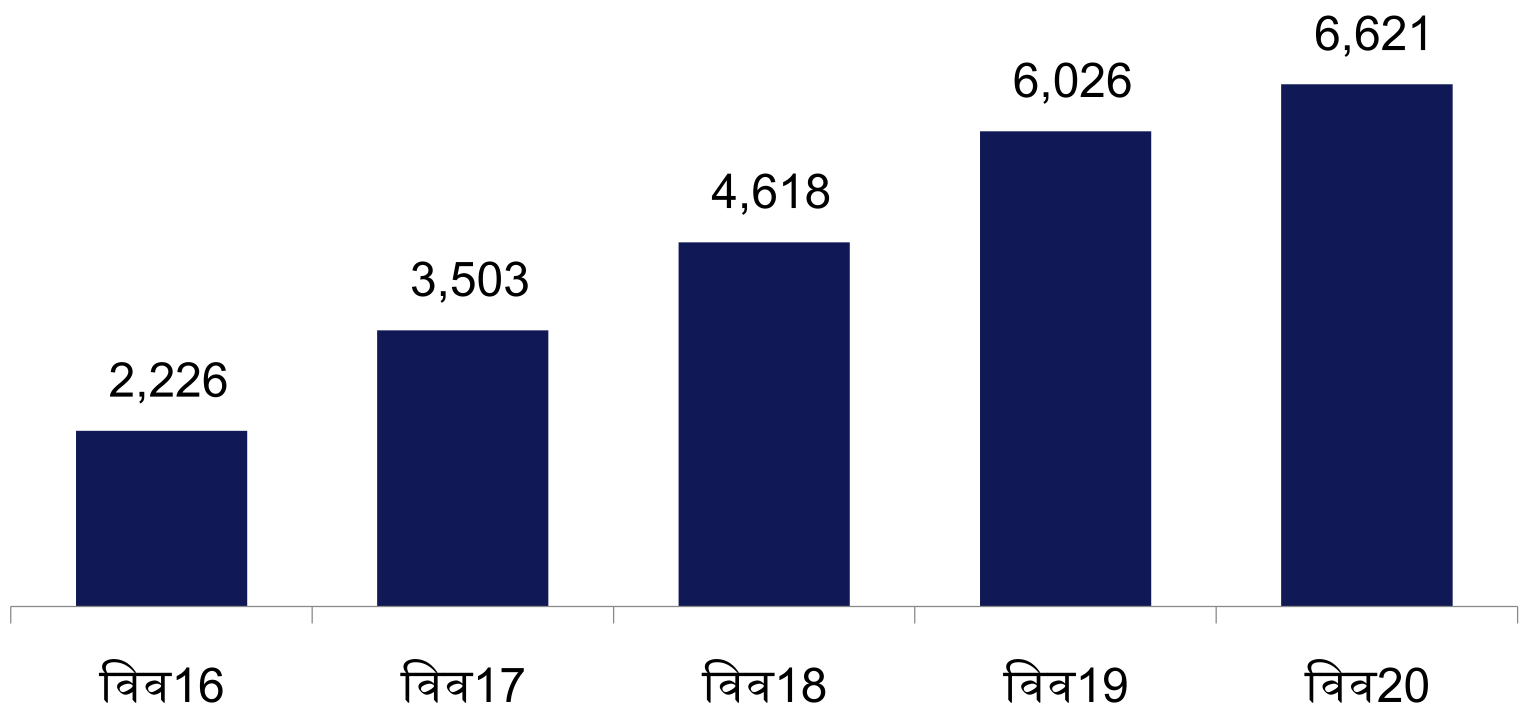

31 मार्च 2020 के अनुसार तुलन पत्र

(करोड़ रु. में)

परिसंपत्तियां
68,534

- **गैर चालू परिसंपत्तियां** 57,420
- **चालू परिसंपत्तियां** 11,114

पीपीई	31,393
सीडाब्ल्यूआईपी	10,582
निवेश	7,498
अन्य	7,946

इक्विटी एवं देयताएं
68,534

- **इक्विटी** 43,971
  - **इक्विटी शेयर पूंजी** 4,510
  - **अन्य इक्विटी** 39,461
- **देयताएं** 24,563
  - **गैर चालू देयताएं** 13,125
  - **चालू देयताएं** 11,438

धारित आय	34,083
सामान्य रिजर्व, बीआरआर आदि	3,351
ट्रांजिशन रिजर्व एंड ओसीआई	2,027

नियोजित पूंजी
रु. 52,431 करोड़

कुल मूल्य*
रु. 41,854 करोड़

बकाया ऋण#
रु. 5,257 करोड़

* कंपनी अधिनियम के अनुरूप # रु.1,500 करोड़ का अल्पकालिक ऋण शामिल है

वितीय अनुपात

लाभांश: 16%

इक्विटी के संबंध में व्यापार की लाभप्रदता का एक उपाय, जिसे निवल संपत्ति या संपत्ति माइनस देनदारियों के रूप में भी जाना जाता है।

परिसंपत्तियों पर प्राप्ति: 20%

राजस्व उत्पन्न करने में किसी कंपनी की संपत्ति कितनी लाभदायक है, इसका प्रतिशत दिखाता है।

नियोजित पूंजी पर प्राप्ति:15%

व्यापार में निवेशित पीबीआईटी और नियोजित पूंजी के बीच का अनुपात

इक्विटी पर ऋण: 0.09

कंपनी की संपत्ति के वित्त हेतु उपयोग की गई शेयरधारकों की इक्विटी और ऋण के सापेक्ष अनुपात को इंगित करता है।

चालू अनुपात: 1%

फर्म के पास अपने अल्पकालिक दायित्वों को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं या नहीं को मापता है

पी/ई अनुपात: 5

मूल्य / आय अनुपात कंपनी के शेयर का मूल्य व कंपनी की प्रति शेयर आय का अनुपात है।

वित्तीय कार्य-निष्पादन (समेकित आधार)

(करोड़ रु. में)

कारोबार (सकल)

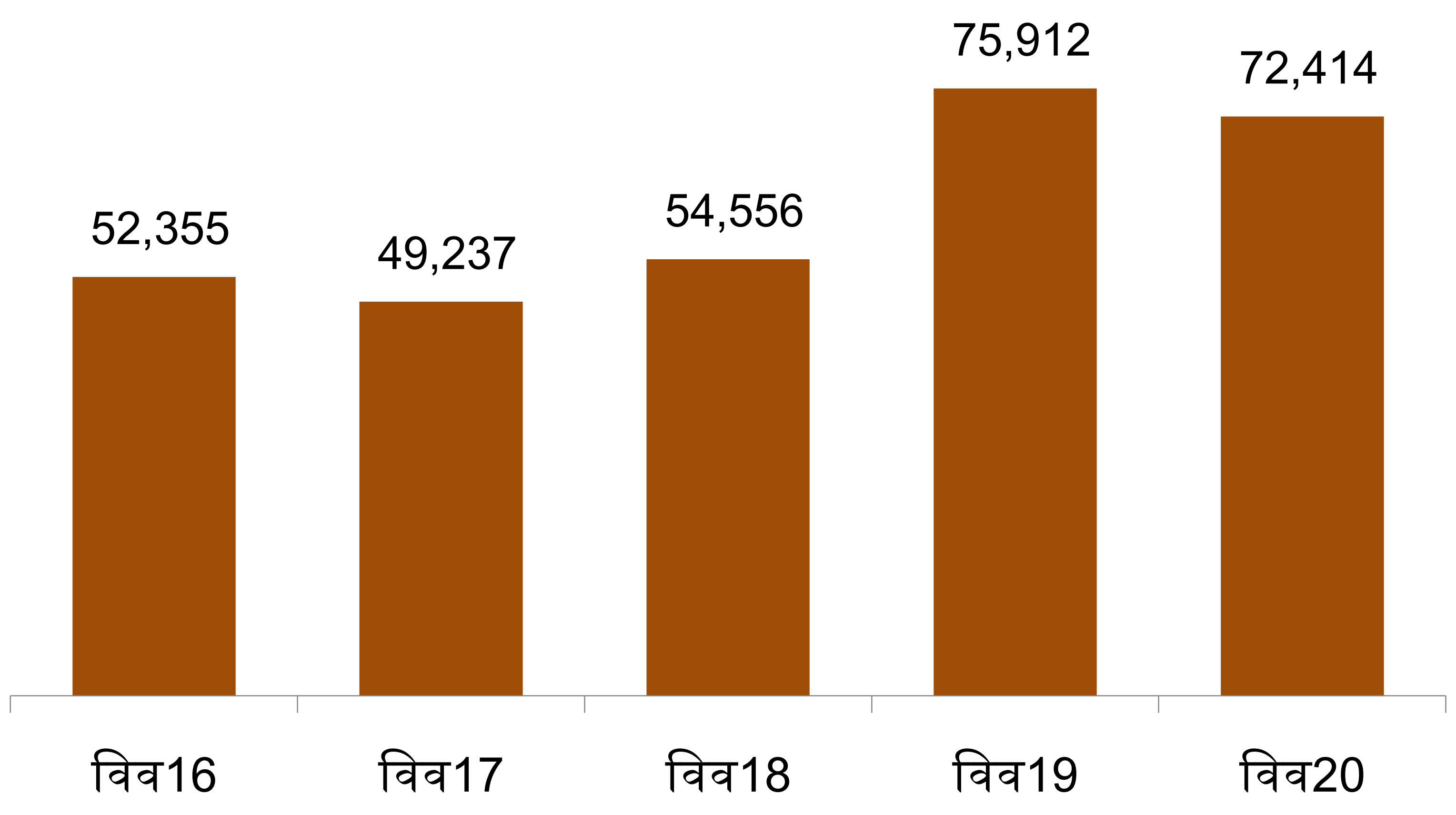

सकल मार्जिन (पीबीडीआईटी)

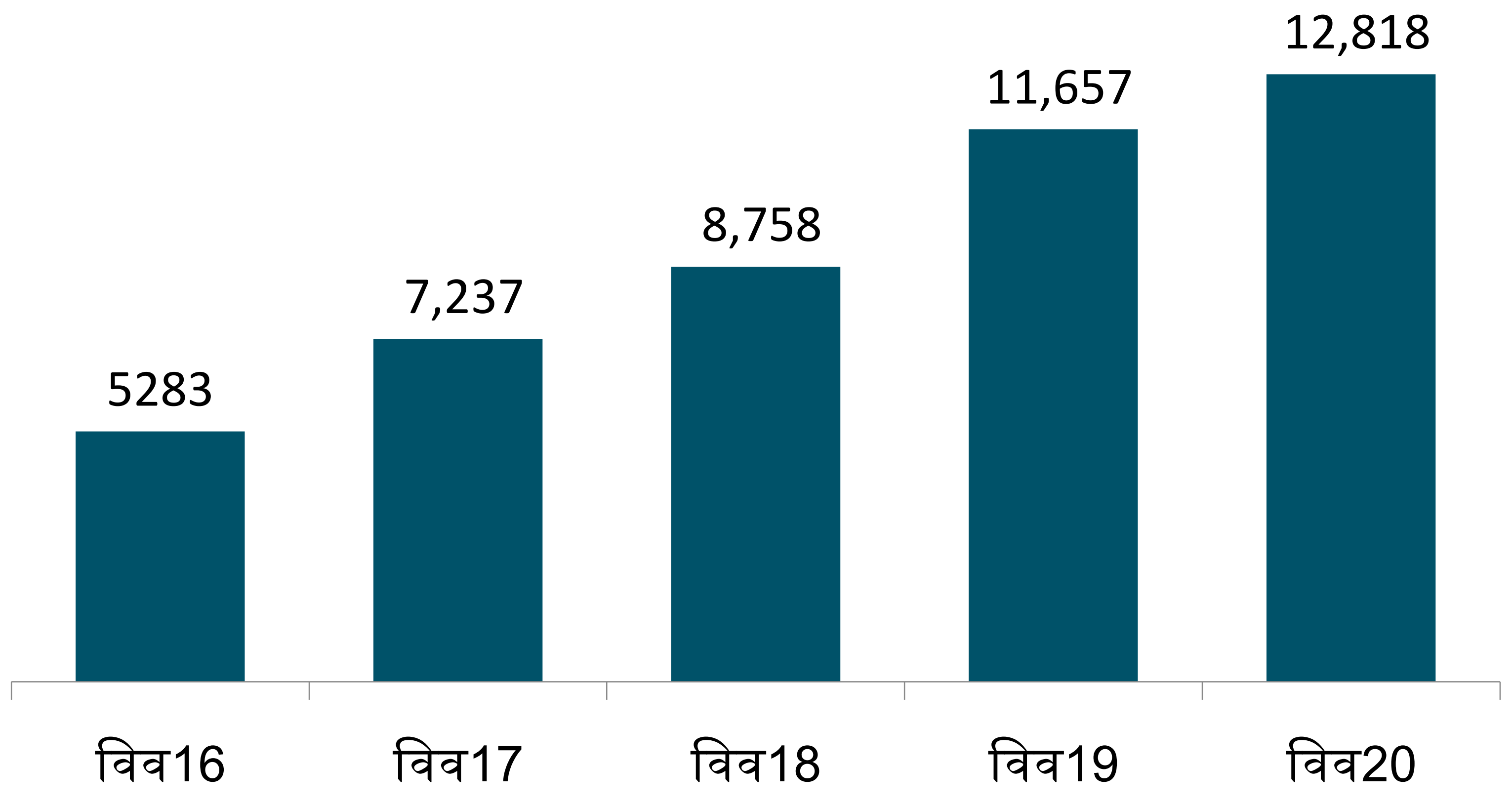

कर पूर्व लाभ

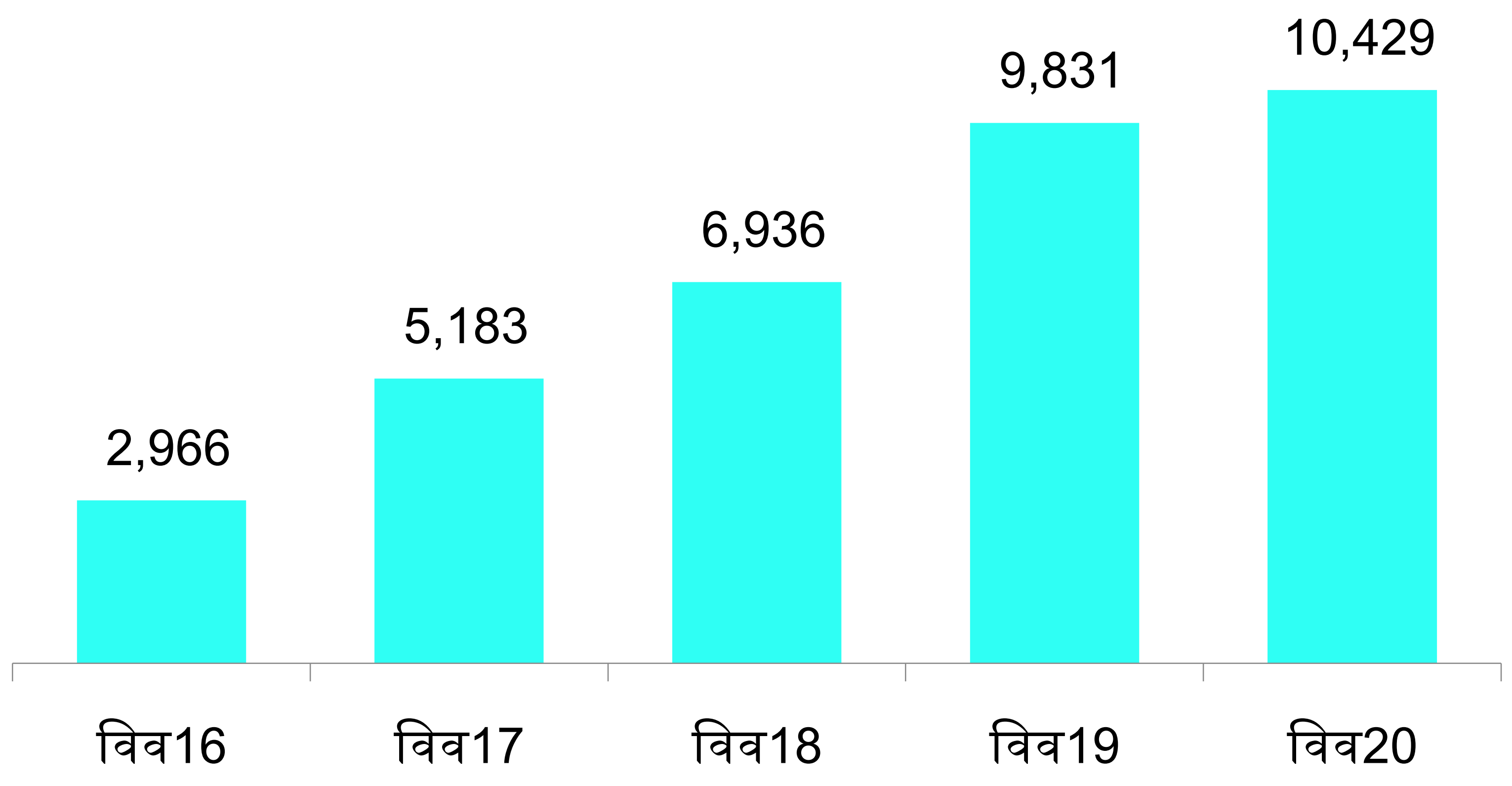

कर पश्चात लाभ

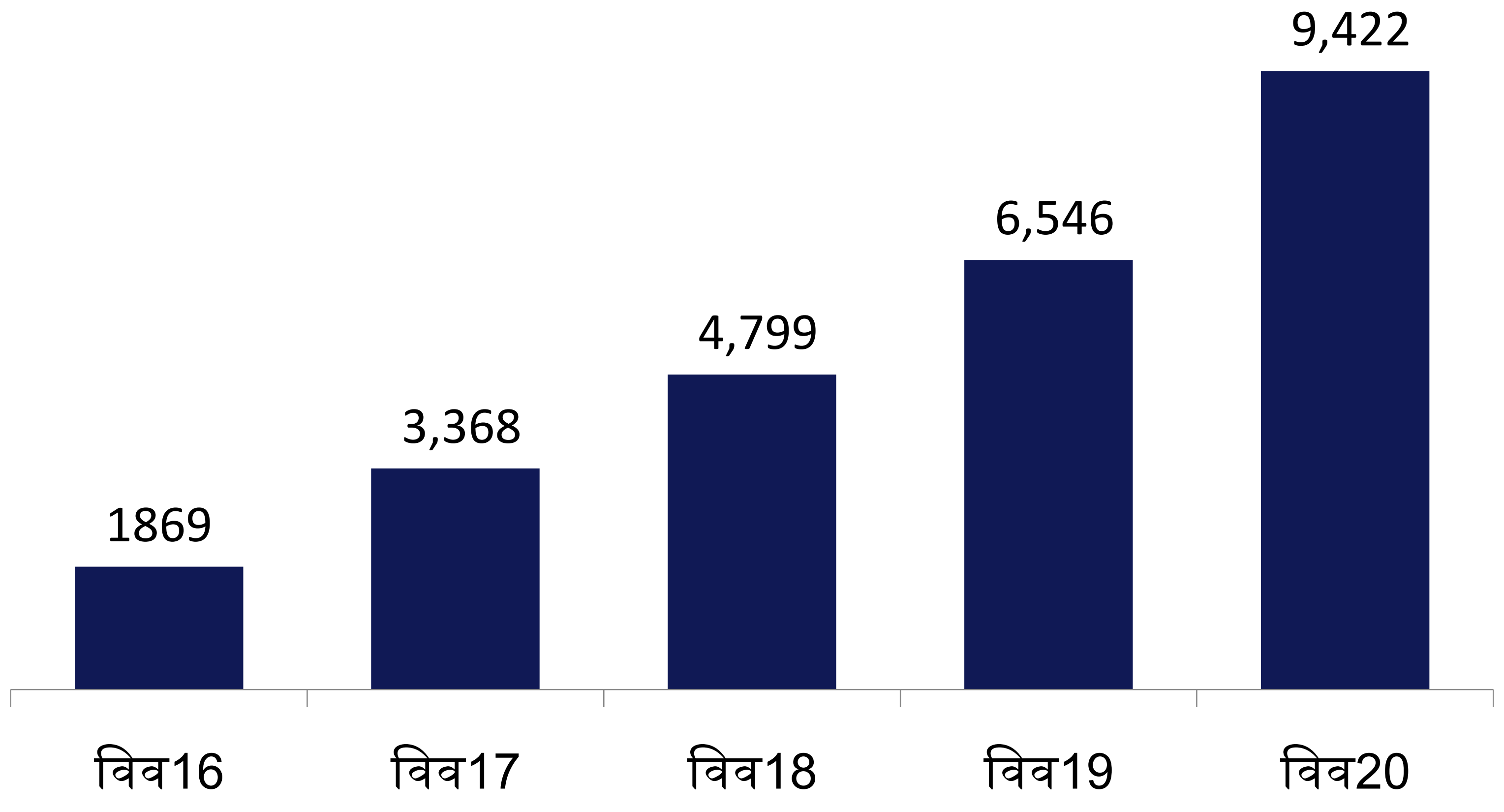

कारोबार (सकल) समाधान
(समेकित आधार)

(करोड़ रु.में)

विवरण	वि.व. 20 कारोबार (सकल)	उन्मूलन	समेकित कारोबार (सकल)
एकल	71,876	9,681	62,195
गेल गैस	5,144		5,144
जीजीएसपीएल	5,365	377	4,988
जीजीयूआई	5,408	5,286	122
बीजीसीएल	-	-	-
केएलएल	485	485	-
टीएनजीसीएल	118		118
घटाएं : अन्य प्रचालन आय एवं बंद प्रचालन			153
कुल	**88,396**	**15,828**	**72,414**

पीएटी समाधान (समेकित आधार)

(करोड़ रु.में)

विवरण	31 मार्च, 20 को शेयरधारिता का %	31 मार्च, 20 को निवेश (निवल)	वि.व.'20
गेल	**लागू नहीं**	**लागू नहीं**	**6,621**
सहायक कंपनियां	**-**	**2,069**	**342**
गेल गैस	100%	1,286	157
जीजीएसपीएल	100%	42	5
जीजीयूआई	100%	11	(16)
बंगाल गैस कंपनी लिमिटेड	50%	25	(1)
कोंकण एलएनजी लिमिटेड (घटाएं अनियंत्रित ब्याज)	69.05%	690	187
टीएनजीएल (घटाएं अनियंत्रित ब्याज)	48.98%	15	9
सहयोगी कंपनियां		**2,443**	**2,113**
एमजीएल	32.50%	32	245
पीएलएल	12.50%	99	307
बीसीपीएल	70.00%	992	1,055
आईजीएल	22.50%	32	273
ओपाल	49.21%	995	-
चाइना गैस	2.87%	97	237
फेयम गैस	19.00%	8	2
रामागुण्डम फर्टिलाइज़र	14.46%	188	(6)
संयुक्त उद्यम (जेवी)	**-**	**545**	**133**
सीजीडी जेवी एवं अन्य (बीजीएल, सीयूजीएल, जीजीएल, एमएनजीएल, एजीएल, वीजीएल, तापी, आईजीजीएल)	-	545	133
समायोजन			**214**
लाभांश का उन्मूलन	-	-	(359)
निवेश से स्वीकृत लाभ/हानि का उन्मूलन	-	-	(102)
अन्य	-	-	675
समेकित	**-**	**-**	**9,422**

पूंजीगत व्यय प्रोफाइल

(करोड़ रु.में)

वि.व.2019-20
~ 6,100 करोड़

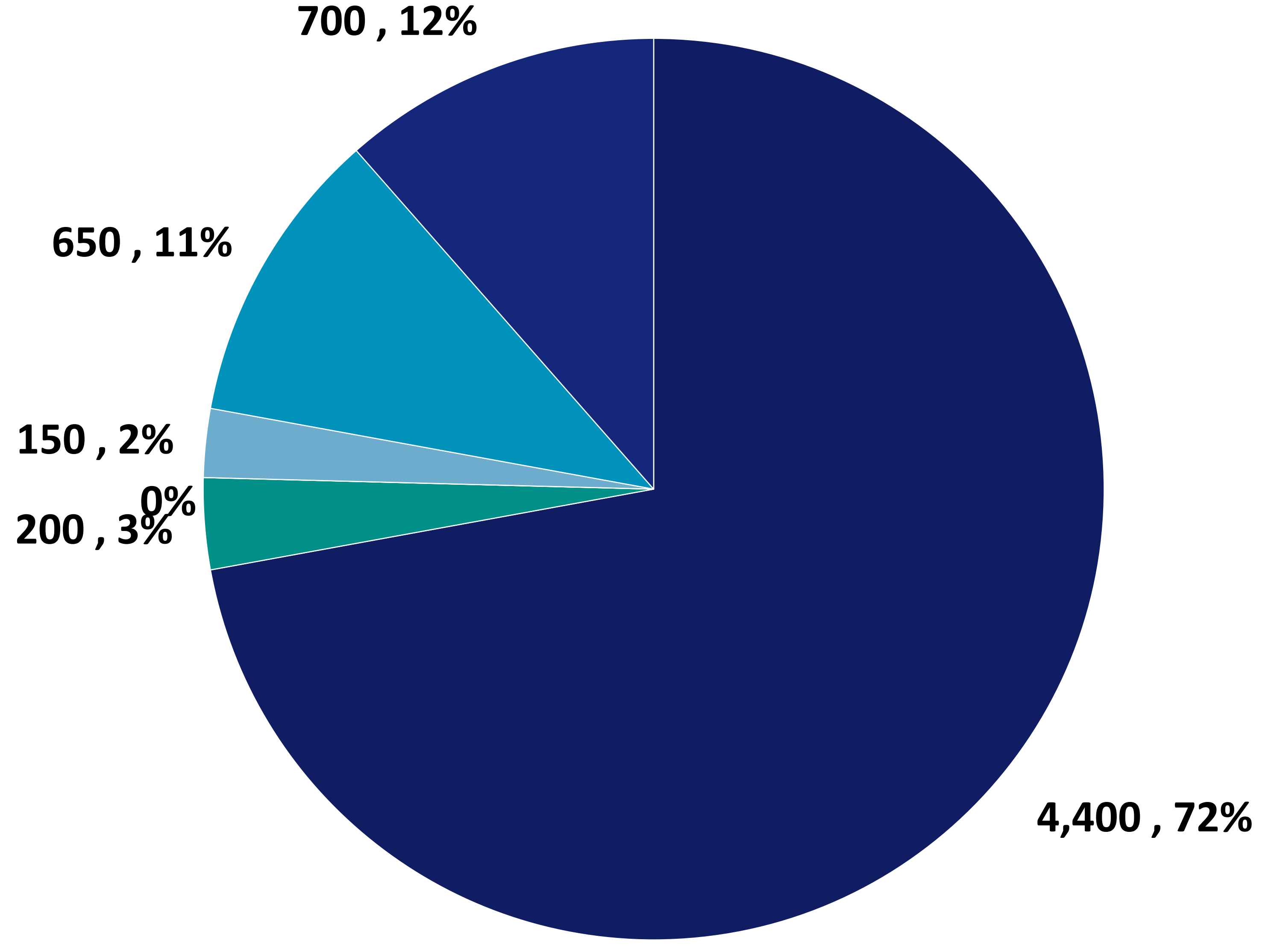

वि.व.2020-21ई
~ 4,800 करोड़

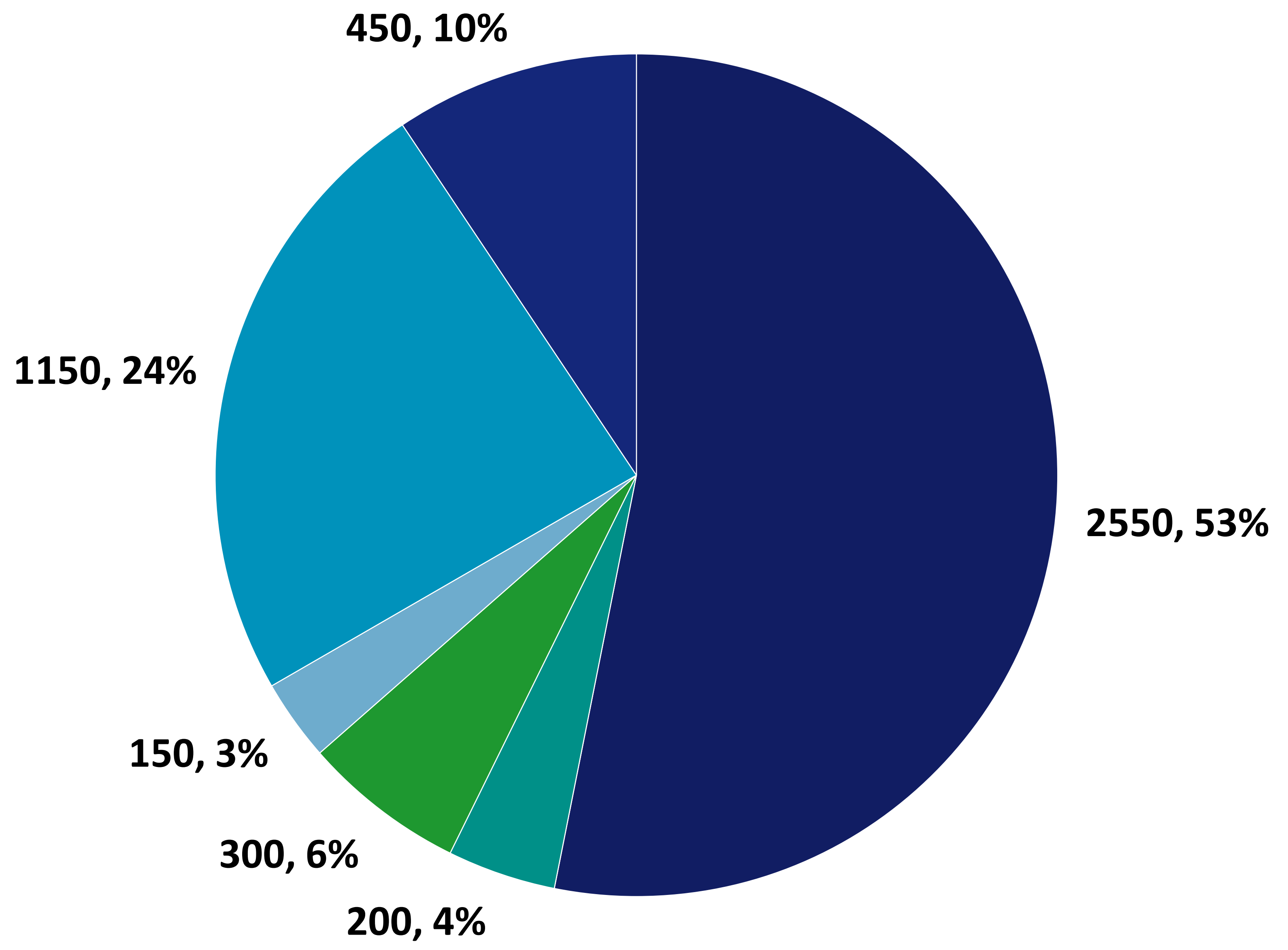

■ पाइपलाइन ■ शहर गैस वितरण ■ पेट्रोकेमिकल ■ ईएंडपी ■ इक्विटी निवेश ■ प्रचालन कैपेक्स

* पूंजीगत व्यय में योजनागत, गैर-योजनागत और प्रचालन कैपेक्स शामिल है।

औद्योगिक परिदृश्य एवं रणनीति

ऊर्जा मिक्स में सतत परिवर्तन

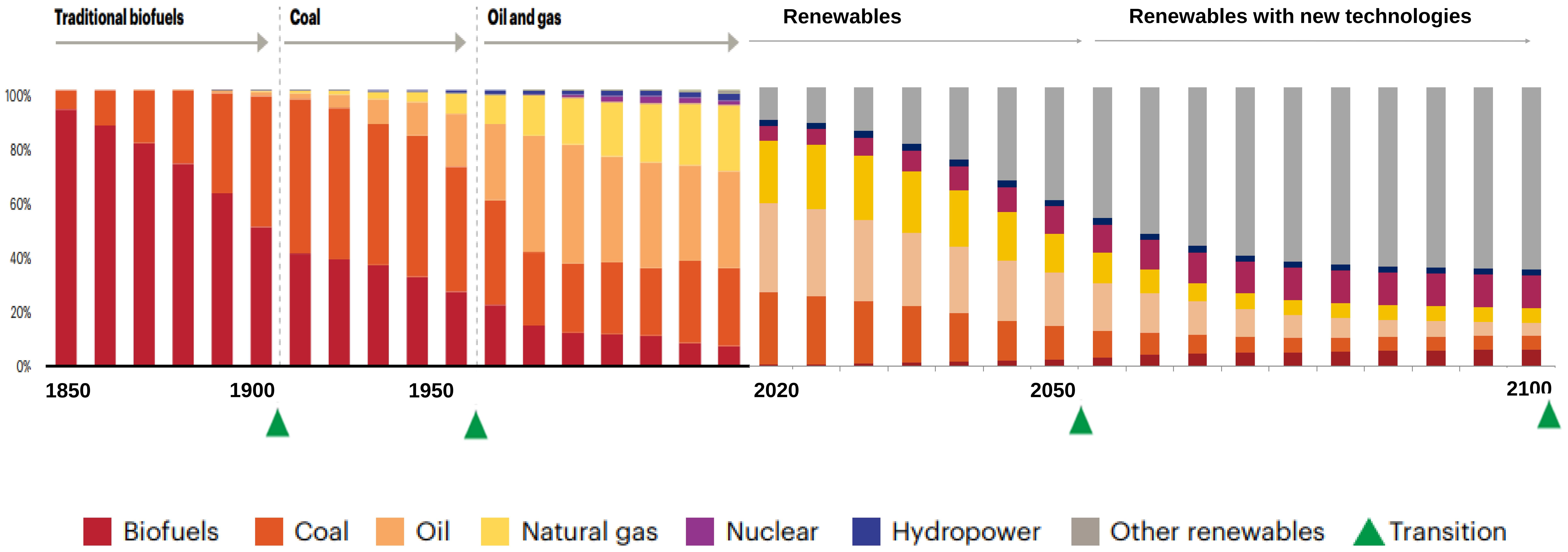

स्रोत: शेल के पिछले डेटा और शेल सिनेरियो - स्काई

जीवाश्म ईंधनों में अंतिम शिखर पर गैस

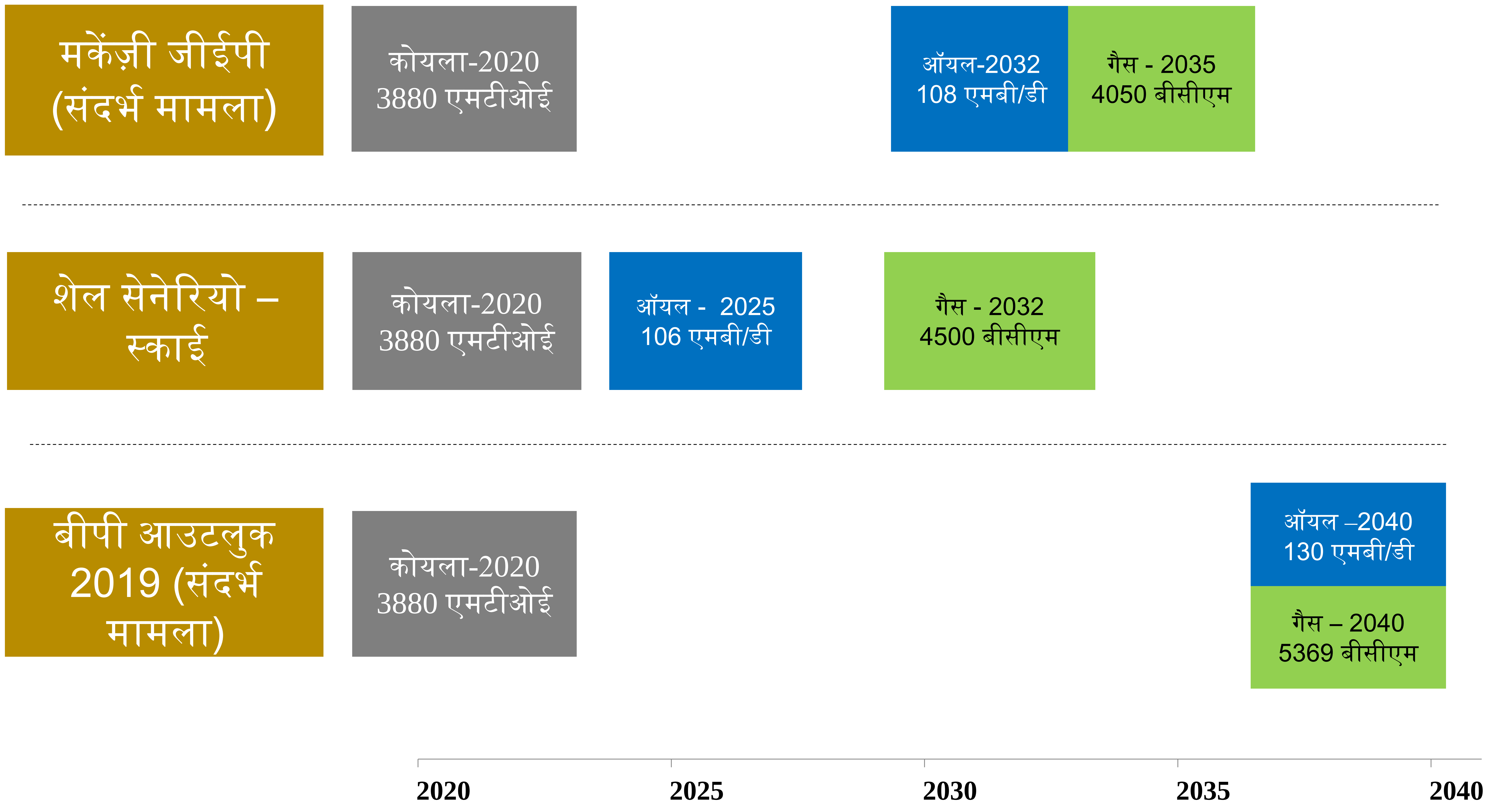

- तेल के विभिन्न अनुमान, यद्यपि परिवहन के लिए तेल का उपयोग 2025-2030 तक शीर्ष पर होगा
- गैस अंतिम जीवाश्म ईंधन है जो शीर्ष चरम पर है सभी अनुमानों में अन्य जीवाश्मों की तुलना में अधिक समय तक रहता है
- कोयला 2020 में निर्विवादित शीर्ष पर

स्रोत: मकेंजी ग्लोबर एनर्जी दृष्टिकोण, बीपी एनर्जी आउटलुक 2019, शेल स्काई सिनेरियो

ऊर्जा की खपत की प्रवृत्ति: विश्व

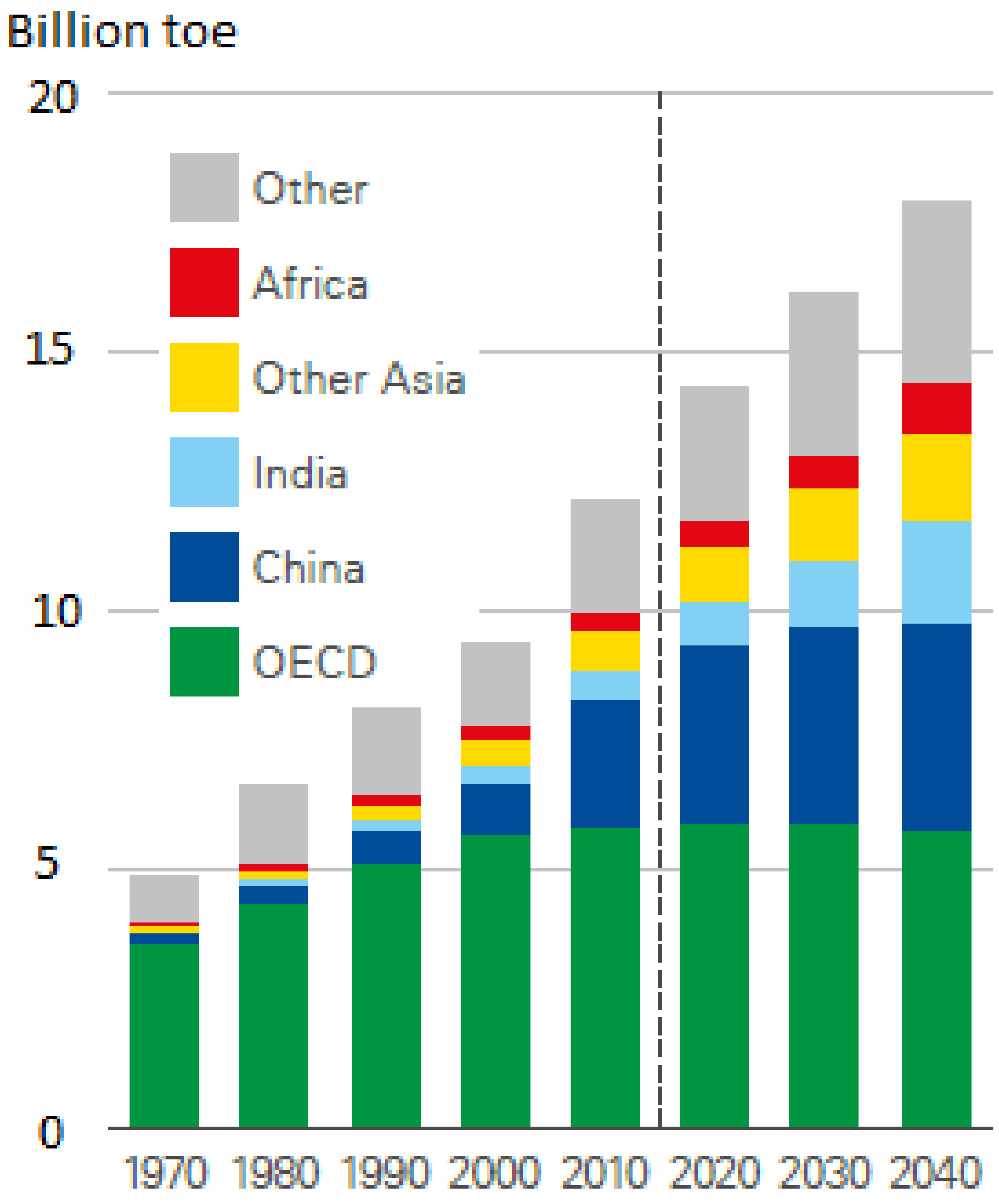

स्रोत: बीपी एनर्जी आउटलुक 2019

- विश्व की अर्थव्यवस्था अगले 20 वर्षों में लगभग दोगुनी होने की उम्मीद है, प्रति वर्ष औसतन 3.4% का विकास जो बड़े पैमाने पर उत्पादकता में वृद्धि (अर्थात प्रति व्यक्ति जीडीपी) द्वारा संचालित है।
- 2035 तक विश्व की जनसंख्या लगभग 9 बिलियन तक पहुंचने का अनुमान है
- वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपेक्षित वृद्धि उभरती अर्थव्यवस्थाओं द्वारा संचालित है, जिसमें चीन और भारत की वृद्धि का लगभग आधा हिस्सा है
- ऊर्जा की खपत पहले (1995 से 2015 तक 2.2% प्रति वर्ष) की तुलना में कम (1.3% प्रति वर्ष) तीव्रता से बढ़ने की उम्मीद है

क्षेत्र-वार प्राथमिक ऊर्जा खपत -भारत से बढ़ती मांग

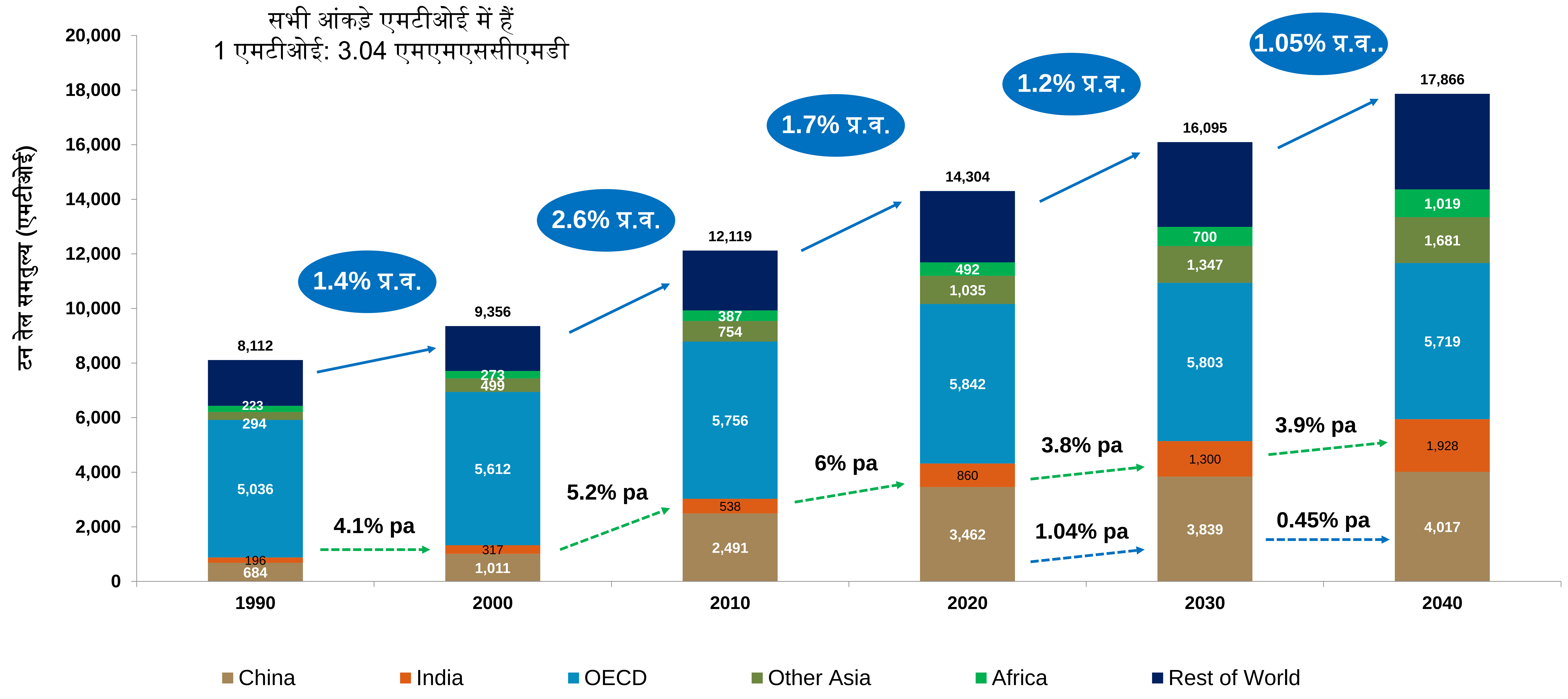

स्रोत: बीपी एनर्जी आउटलुक 2019

भविष्य की वैश्विक ऊर्जा आवश्यकता - गैस और आरई

1 एमटीओई : 3.04 एमएमएससीएमडी

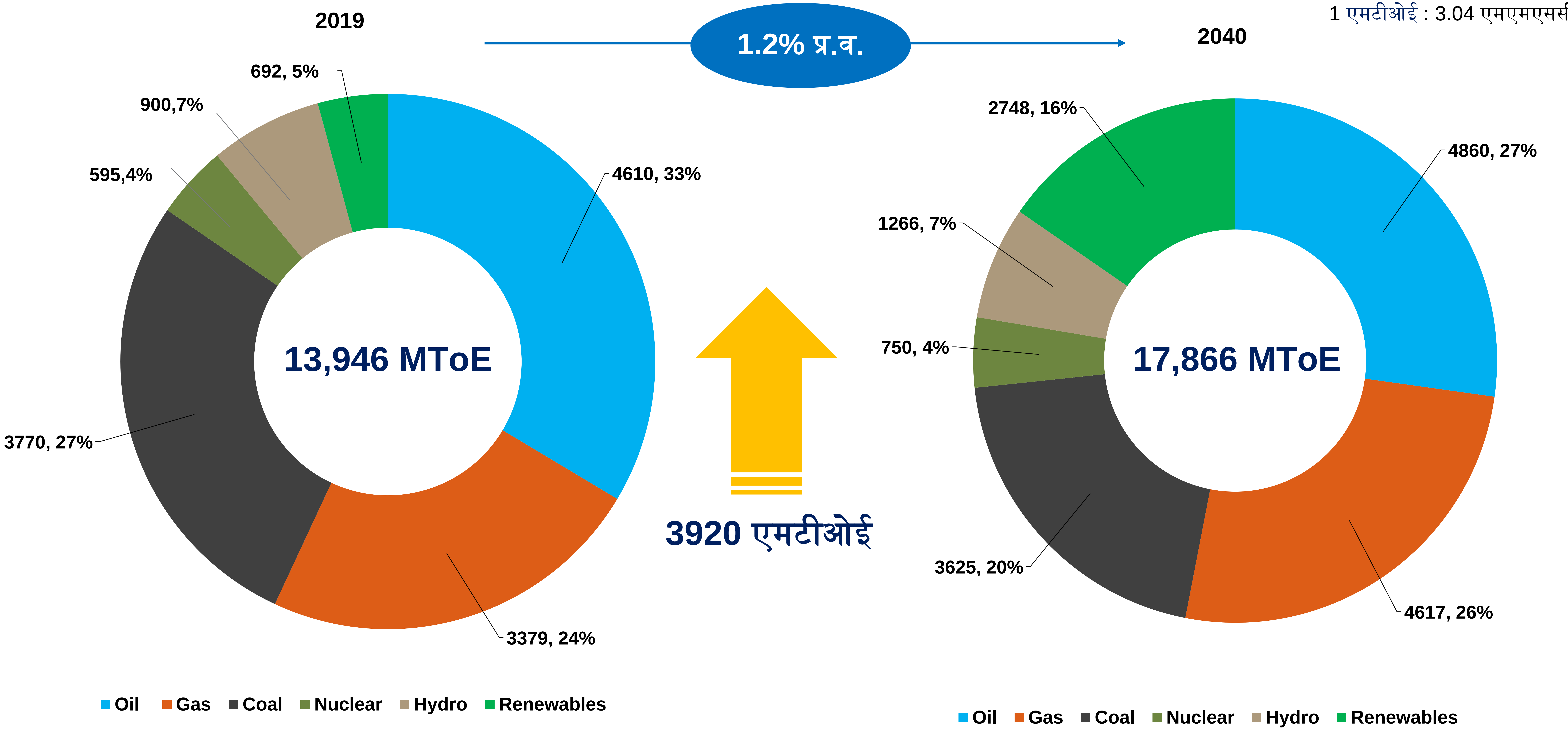

स्रोत: बीपी सांख्यिकी समीक्षा 2020

भारत का ऊर्जा परिदृश्य 2040

+156%
भारत की ऊर्जा खपत में वृद्धि

11%
2040 में वैश्विक ऊर्जा खपत का हिस्सा

+207%
भारत के पॉवर उत्पादन में वृद्धि

16%
2040 में प्राथमिक ऊर्जा मिक्स में नवीकरणीय का हिस्सा

2040 तक भारत की ऊर्जा खपत अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में सबसे तेज़ी से आगे बढ़ेगी और सबसे ऊपर कोयला और उसके बाद नवीकरणीय ऊर्जा इस मांग को पूरा करेगी।

- ❑ भारत की ऊर्जा खपत 4.2% प्रतिवर्ष की दर से आगे बढ़ेगी जो विश्व की सभी प्रमुख अर्थ व्यवस्थाओं से तेज़ होगी।
- ❑ 2020 के अंत तक ऊर्जा के सबसे बड़े बाज़ार में भारत चीन को पीछे छोड़ देगा।
- ❑ 1995-2017 की तुलना में 2017-2040 के दौरान भारत के ऊर्जा मिक्स में तेल की हिस्सेदारी में 96 प्रतिशत प्वाइंट की गिरावट हो जाएगी।

स्रोत: बीपी आऊटलुक 2035, बीपी एनर्जी आऊटलुक 2019-इंडिया

- ❑ भारत की 156% की मांग में वृद्धि ने सभी ब्रिक्स देशों को पीछे छोड़ दिया है: चीन (+28%), ब्राजील (+65%), और रूस (+7%)
- ❑ वर्ष 2017 की तुलना में वर्ष 2040 तक गैस की मांग +240% बढ़ जाएगी जिसका अर्थ यह है कि गैस के आयात पर लगातार भरोसा बढ़ेगा यद्यपि घरेलू गैस का उत्पादन 2017 की तुलना में 2040 में 155% तक बढ़ जाएगा।
- ❑ ऊर्जा मिक्स में कोयले की हिस्सेदारी 2017 में 56% से घट कर 2040 में 48% रह जाएगा जबकि नवीकरणीय ऊर्जा का हिस्सा 3% से बढ़कर 16% हो जाएगा।
- ❑ 2040 में कोयले की पॉवर की खपत (+191%) अन्य प्रमुख ऊर्जा स्रोतों की तुलना में उच्चतम से अधिक बनी रहेगी और तब भी 80% का उत्पादन कोयले पर आधारित होगा।
- ❑ परिवहन क्षेत्र के साथ उद्योग जगत ऊर्जा की मांग का सबसे प्रबल स्रोत बना रहेगा।

वैश्विक प्राथमिक ऊर्जा मिक्स

क्षेत्र	तेल	प्राकृतिक गैस	कोयला	परमाणु ऊर्जा	जल विद्युत	नवीकरणीय	टीपीई (एमटीओई)
विश्व	33.1%	24.2%	27.0%	4.3%	6.5%	5.0%	13,946
ओईसीडी	38.4%	27.8%	13.8%	7.6%	5.3%	7.2%	5,575
गैर- ओईसीडी	29.5%	21.9%	35.9%	2.0%	7.2%	3.5%	8,371
एशिया पैसिफिक	27.8%	12.2%	47.5%	2.2%	6.2%	4.2%	6,152
चीन	19.7%	7.8%	57.6%	2.2%	8.0%	4.7%	3,384
भारत	30.1%	6.3%	54.7%	1.2%	4.2%	3.6%	814
बंगलादेश	21.0%	70.5%	8.0%	0.0%	0.6%	0.0%	42
पाकिस्तान	25.4%	46.2%	15.5%	2.3%	9.0%	1.7%	85

(स्रोत: बीपी स्टेटिस्टिकल वर्ड एनर्जी रिव्यू, 2020)

- चीन और अमेरिका के बाद भारत तीसरा सबसे बड़ा ऊर्जा खपतकर्ता है, कोयले में दूसरा और तेल में तीसरा है।
- भारत में प्राकृतिक गैस की खपत 6.31% है (12वाँ सबसे बड़ा खपतकर्ता)

ऐतिहासिक उत्पादन और खपत पैटर्न

सभी आंकड़े एमएमएससीएमडी में

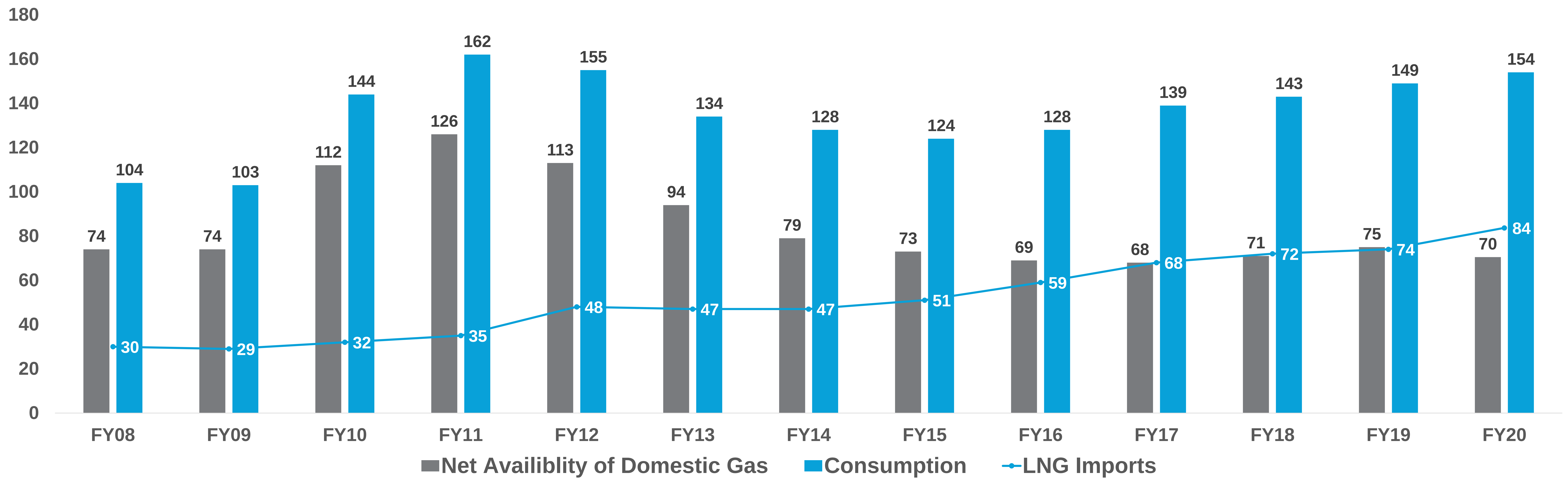

घरेलू गैस की निवल उपलब्धता डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों में बिक्री के लिए उपलब्ध घरेलू गैस है

खपत में अपस्ट्रीम घरेलू गैस उत्पादकों की आंतरिक खपत शामिल नहीं है

टिप्पणी: वित्त वर्ष 2019-20 हेतु आंकड़े अनंतिम हैं

- ❑ पिछले कुछ वर्षों में एलएनजी का आयात लगातार बढ़ रहा है।
- ❑ एलएनजी की खपत में वृद्धि हुई है लेकिन भारतीय गैस बाजार के लिए मूल्य सामर्थ्यता ऐतिहासिक रूप से एक चुनौती रही है।

प्राकृतिक गैस खपत पैटर्न – भारत (2019-20)

वित्त वर्ष (2019-20) के दौरान गैस की खपत, ~154 एमएमएससीएमडी

क्षेत्र-वार ब्रेक-अप

मात्रा एमएमएससीएमडी में

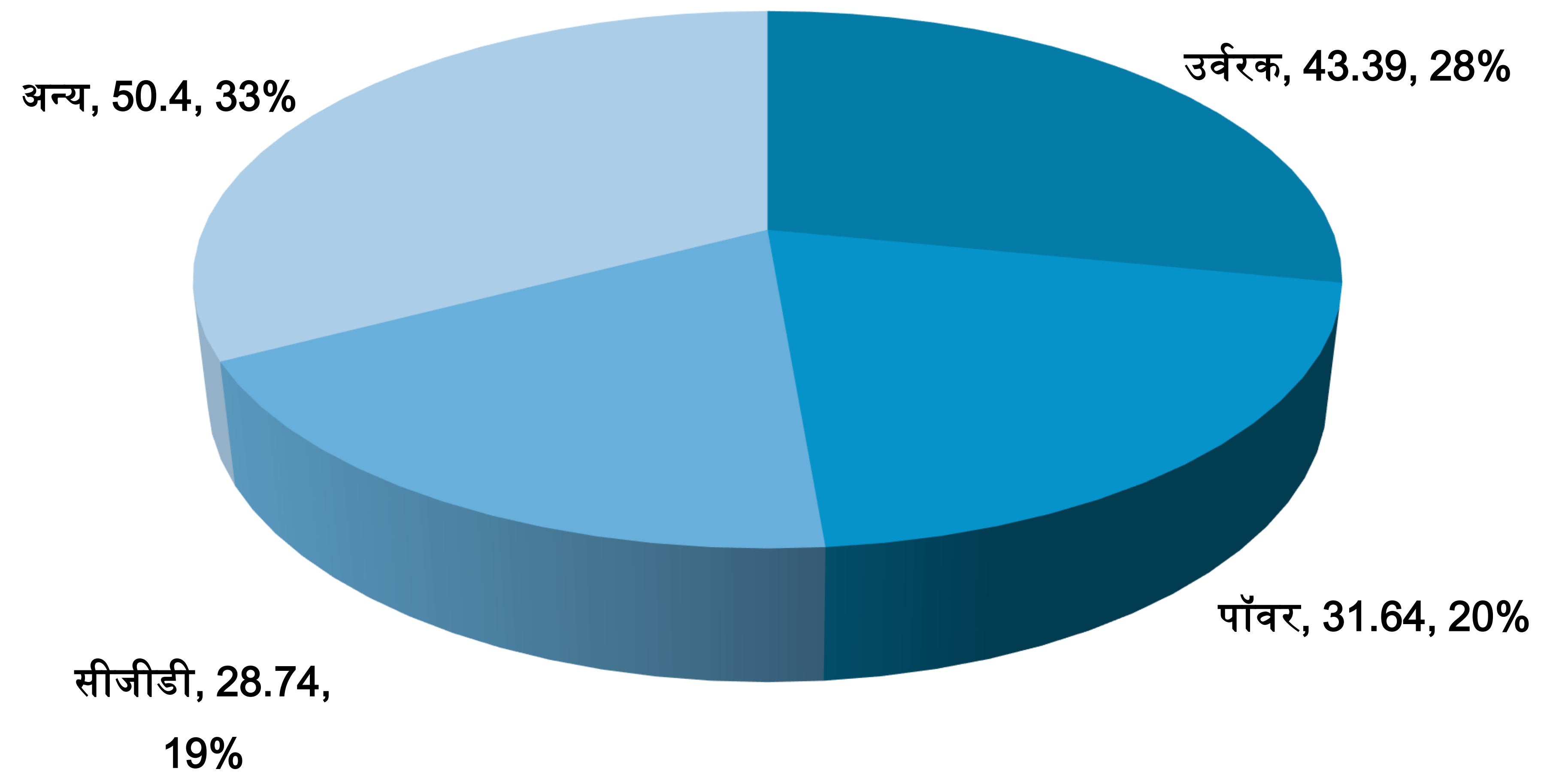

गैस-वार ब्रेक-अप

मात्रा एमएमएससीएमडी में

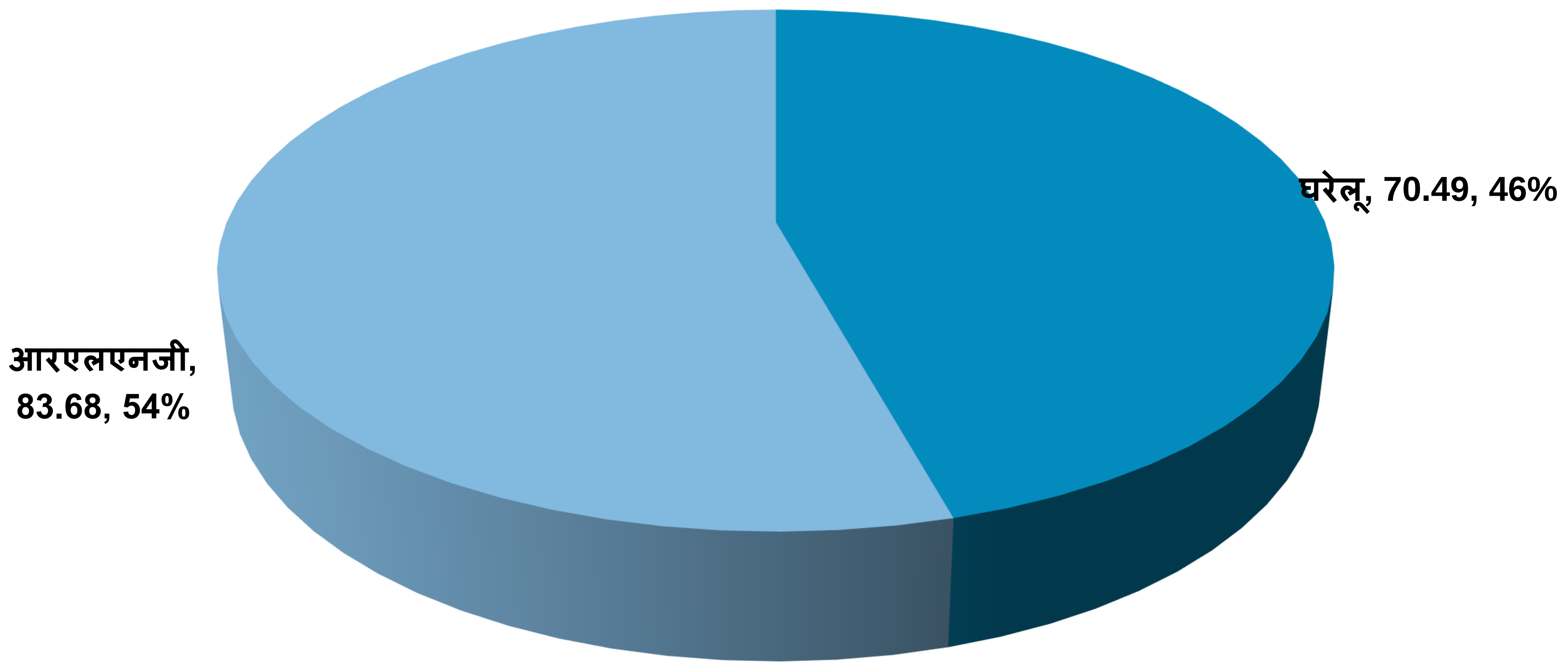

पॉवर एवं उर्वरक - मुख्य बाजार

औद्योगिक एवं सिटी गैस- प्रगतिशील बाजार

स्रोत : पीपीएसी

टिप्पणी: वि.व. 2019-20 हेतु आंकड़े अनंतिम हैं। 154 एमएमएससीएमडी में घरेलू गैस उत्पादक कंपनियों की आंतरिक गैस खपत शामिल नहीं है।

* अन्य में रिफाइनरी, पेट्रोकेमिकल्स, एलपीजी, आईसी तथा विनिर्माण आदि शामिल हैं ।

भारत में गैस अवसंरचना - वन नेशन वन ग्रिड

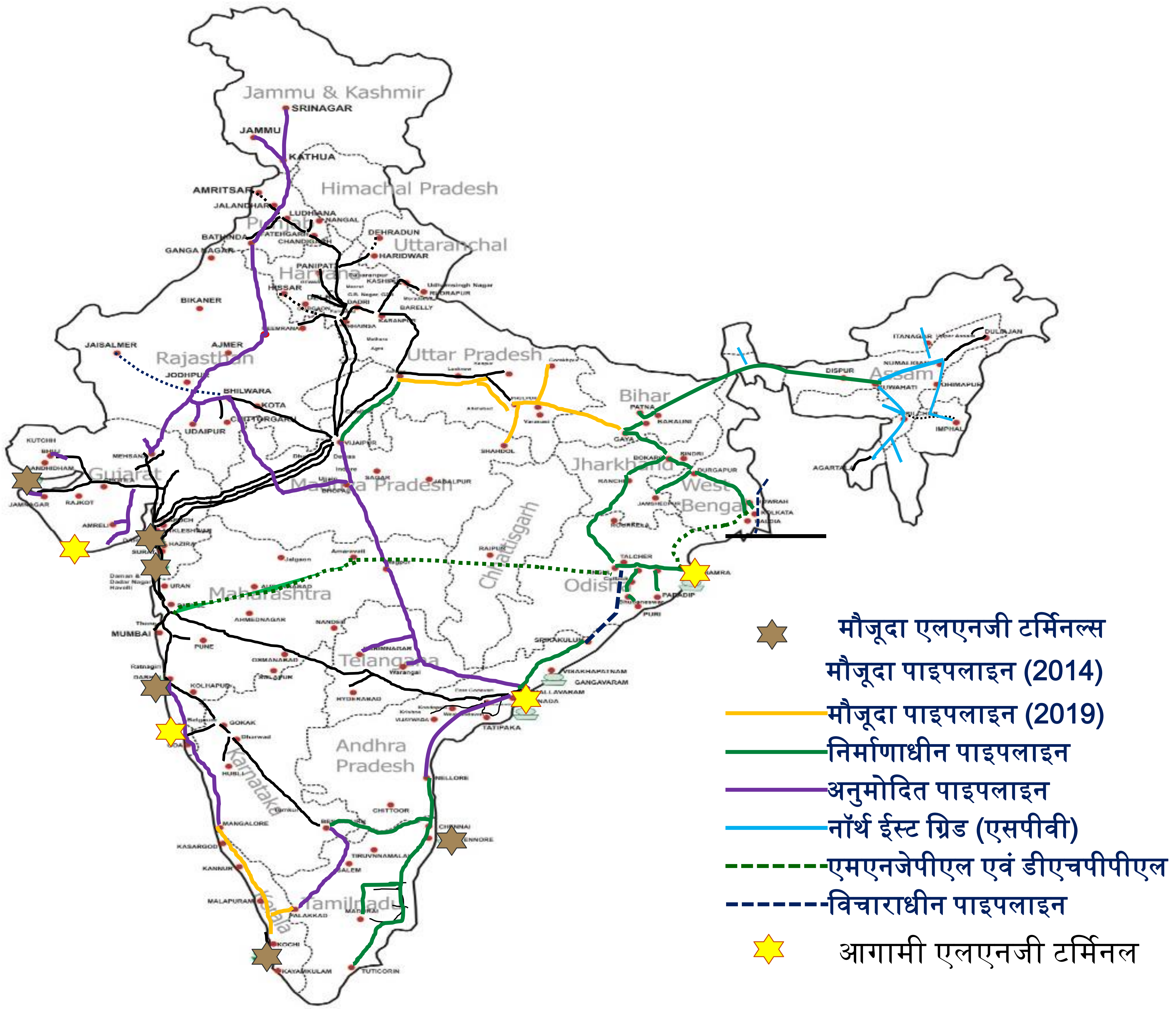

पाइपलाइन की लंबाई (कि.मी.)	मौजूदा	निर्माणाधीन एवं अनुमोदित
संपूर्ण भारत में पाइपलाइन की लंबाई	~ 17,500	~ 17000
गेल पाइपलाइन लंबाई	~ 12,400	~ 6700
पीएनजीआरबी द्वारा योजनागत		~ 600

गैस पाइपलाइनों में किया जा रहा कुल निवेश : ~ गैस ग्रिड के निर्माण हेतु आईएनआर 92,000 करोड़

ट्रांसमिशन सिस्टम ऑपरेटर – गैस ग्रिड हेतु विचार किया जा रहा है

दोनों तटों पर ~18 एमएमटीपीए की री-गैसीकरण क्षमता निर्माणाधीन

पूर्वी और उत्तरी भारत में गैस ग्रिड के साथ 4 उर्वरक यूनिट और 5 रिफाइनरी यूनिट्स को एंकर लोड किया जाना

दक्षिण भारत में मुख्य भार केकेएमबीपीएल और एन्नोर- तूतीकोरिन पाइपलाइनों के माध्यम से भी जुड़ना है

पेट्रोकेमिकल व्यापार परिदृश्य

- वर्ष 2020 तक भारतीय पेट्रोकेमिकल उद्योग के $100 बिलियन तक पहुँचने की संभावना है
- भारत की प्लास्टिक खपत चीन की प्रति व्यक्ति 45 किग्रा. की तुलना में मात्र 11 किग्रा. प्रति व्यक्ति है।
- विश्व की प्रति व्यक्ति प्लास्टिक की खपत ~28 किग्रा. है जबकि अमेरिका की सबसे ज्यादा 109 किग्रा. प्रति व्यक्ति है।
- पॉलीमर मांग में भावी अनुमानित वृद्धि ~5.6% प्रतिवर्ष है : सामान्यत: प्लास्टिक के लिए विशिष्टत: गेल के लिए

भारत की प्रति व्यक्ति खपत एशिया में सबसे कम है
भारत में वृद्धि की बड़ी संभावना है तथा अनेक अवसर हैं

वि.व. 2019-20 में गेल के पेट्रोकेमिकल व्यवसाय की प्रमुख उपलब्धियां

- 1010 केटीए पॉलीमर की बिक्री (737 केटीए - गेल एवं 273 केटीए - बीसीपीएल)
- वर्ष के दौरान पॉलीमर का निर्यात -10,150 एमटीएस (गेल-9,070 एमटीएस एवं बीसीपीएल-1,080 एमटीएस)
- *अन्य पहल*
  - ✓ *सीपेट के साथ 'प्लास्टिक प्रोडक्ट मैन्युफैक्चरिंग' पर कौशल विकास कार्यक्रम*
  - ✓ *ग्राहकों के परिसर में उत्पादकता वृद्धि कार्यक्रम*

G-Lex

G-Lene

वृद्धि के कारकों के साथ क्षमता में बढ़ाए जाने के परिणामस्वरूप गेल के टॉप लाइन और बॉटम लाइन में विकास होगा।

*स्रोत: एसोचेम और इंडस्ट्री एस्टीमेंट्स का अध्ययन

पेट्रोकेमिकल व्यापार परिदृश्य

भारतीय एचडीपीई और
एलएलडीपीई
मांग *बनाम* क्षमता

एचडीपीई + एलएलडीपीई	वास्तविक		प्रक्षेपण
(केटीए में)	**2018-19**	**2019-20**	**2020-21**
मांग			
एचडीपीई (1)	2,440	2,500	2,650
एलएलडीपीई (2)	2,105	2,227	2,360
एचडीपीई + एलएलडीपीई	4,545	4,727	5,010
क्षमता*			
एचडीपीई + एलएलडीपीई	5,000	5,000	5,000

वर्ष 2020-21 तक भारतीय
एचडीपीई और एलएलडीपीई की मांग
क्षमता से आगे निकल जाएगी

- पीई की मांग 4% बढ़ी है
- वर्ष 2020-21 तक भारतीय पीई की खपत क्षमता से आगे निकल जाएगी
- एचएमईएल का पीई संयंत्र (1,250 केटीए) वर्ष 2022-23 तक कमीशन हो जाने की संभावना है
- पीई की मांग में 5-6% की भावी वृद्धि के कारक
  - ✓ *पैकेजिंग उद्योग*
  - ✓ *ई-कामर्स से संबंधित पैकेजिंग*
  - ✓ *आटोमोबाइल /निर्माण उद्योग*
  - ✓ *कृषि उद्योग*

G-Lex

G-Lene

*स्रोत: सीपीएमए और इंडस्ट्री एस्टीमेंट्स का अध्ययन

गैस से प्रगति के नए क्षेत्र और सरकार का ज़ोर

घरेलू गैस का उत्पादन बढ़ाना

- **राष्ट्रीय भूकंपीय कार्यक्रम**
- **एचईएलपी** नीति
- **मूल्य निर्धारण दिशानिर्देश,** 2014
- कठिन और नए क्षेत्रों (एचपीएचटी) से **विपणन और मूल्य निर्धारण की स्वतंत्रता**
- **लघु क्षेत्र** नीति **की खोज**
- **कोल बेड मीथेन** नीति

गैस इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास

- **राष्ट्रीय गैस ग्रिड** का समापन
- नॉर्थ ईस्ट गैस ग्रिड **(आईजीजीएल)**
- नई **एलएनजी आयात** सुविधाओं का निर्माण
- सीजीडी **नेटवर्क** का विकास
- बायो-सीएनजी को बढावा देना (एसएटीएटी)

बाजार पहुँच बेहतर करना

- गैस **ट्रेडिंग एक्सचेंज** (जीटीई)
- परिवहन प्रणाली ऑपरेटर **(टीएसओ)**
- **प्रमुख उद्योगों** के सहयोग के माध्यम से खपत बढ़ाना

बाजार पहुँच

- एलएनजी चालित ट्रकों को गैस की आपूर्ति
- एलएनजी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ईंधन स्टेशनों का एक नेटवर्क बनाना बड़ी चुनौती है
- कैस्केड के माध्यम से सीएनजी / एलएनजी के परिवहन के माध्यम से शहरों में सीजीडी आपूर्ति की शुरूआत

वि.व. 2020-21 में विद्यमान कोविड संबंधित प्रभाव

लॉकडाउन और कोविड संबंधी अन्य व्यवधानों ने ति1 के प्रथम 2 महीनों के दौरान महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं।

विवरण	भारत के अंदर गैस विपणन (एमएमएससीएमडी)	गैस परिसंचरण (एमएमएससीएमडी)
व्यवधान पूर्व	86.00	108.7
दिनांक 01.04.2020 को व्यवधान पश्चात् (अधिकतम प्रभाव)	58.59	76.49
अधिकतम प्रभाव (%)	31%	30%
वर्तमान स्तर	81.39	105.45
अधिकतम प्रभाव (%)	5%	3%

पाता में पेट्रोकेमिकल प्लांट भी 20 दिनों के लिए बंद था, लेकिन अब यह सामान्य रूप से प्रचालन कर रहा है।

व्यापारिक गतिविधियों के पुन: प्रारंभ होने के साथ; गैस की बिक्री, संचरण और पीसी सेगमेंट सामान्य स्तर पर वापस आ गए हैं। एलपीजी और एलएचसी सेगमेंट लॉकडाउन के दौरान भी अप्रभावित रहा।

हमारे संपर्क स्रोत

संस्थागत निवेशकों एवं विश्लेषको के लिए

श्री ए राय,
कार्यकारी निदेशक (वित्त एवं लेखा)
ई-मेल आईडी : arai@gail.co.in

खुदरा निवेशकों के लिए

श्री ए के झा,
कंपनी सचिव
ई-मेल आईडी : ak.jha2@gail.co.in

गेल (इंडिया) लिमिटेड

16, भीकाएजी कामा प्लेस, आर.के. पुरम, नई दिल्ली-110066
www.gailonline.com

प्रश्न एवं उत्तर